दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 12 जुलाई-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 203 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

सम्मान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कुशल प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान स्थापित करने वाले गाजियाबाद के एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह का प्रमोशन आईएएस के पद पर हो गया है। उनको मिली इस प्रोन्नति पर दैनिक करंट क्राइम के संपादक मनोज गुप्ता ने उनको बधाई दी और पटका पहना कर सम्मान किया।

17 साल बाद यूपीसीडा के प्लॉट पाकर खिल उठे 42 आवंटियों के चेहरे

ज्यादातर आवंतटियों को मिले पहले से ज्यादा एरिया के भूखंड, कुछ आवंटियों को हुई निराशा कम एरिया के मिले प्लॉट

ग्रेटर नोएडा करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण यानी यूपीसीडा ने शुक्रवार को उन 42 भूखंडो के लिए लकी ड्रा का आयोजन किया जिन्हें 2007 में आवंटित तो किया गया था लेकिन अधिग्रहण नहीं दिया जा सका। भूखंडों में 1000 वर्ग मीटर, 600 वर्ग मीटर, 450 वर्ग मीटर और 300 वर्ग मीटर के भूखंड शामिल है। यूपी सीडा के गौतम बुद्ध नगर क्षेत्रीय मैनेजर अनिल शर्मा के कार्यालय में आयोजित लकी ड्रा में 1000 वर्ग मीटर के चार अवंटियों, 600 मीटर के बारह, 450 मीटर के 10 आवंटी और 300 मीटर के 14 आवंटियों को लकी ड्रा के माध्यम से भूखंड दिए गए। भूखंड पाकर सभी आवंटियों के चेहरे खिल गए। लकी ड्रा में ग्रेटर नोएडा के राव कासल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने पर्ची निकाली।

यूपीसीडा ने 2007 में सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र में 42 भूखंडों का आवंटन किया था लेकिन तकनीकी एवं किसानों से जमीन नहीं मिलने के कारण आवंटियों को भूखंड उपलब्ध नहीं कराया जा सका । इस पर कई आवंटयों ने कोर्ट की शरण ली। आवंटी लगातार भूखंड उपलब्ध कराने की मांग करते आ रहे थे। लगभग 17 साल बाद यूपी सीडा ने इन 42 अवंतियों को भूखंड उपलब्ध कराया। इनको सिकंदराबाद के गोपालपुर औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड उपलब्ध कराया गया।

यूपी सीडा के प्रदेश मुख्यालय से आए दो अधिकारियों की मौजूदगी में लकी ड्रा के जरिए सभी 42 आवंटियों को भूखंड उपलब्ध कराया गया। सबसे पहले 1000 वर्ग मीटर के भूखंडों का लकी ड्रॉ कराया गया। इनमें कुल चार आवंटी थे और पांच भूखंड रखे गए। दो आवंटियों को 1000 वर्ग मीटर की जगह 500-500 वर्ग मीटर के दो भूखंड आवंटित किए गए। इसके बाद 300 वर्ग मीटर के 14 अवंतियों को भूखंड आवंटित किए गए।

यूपी सीडा की ओर से 14 ही भूखंड लकी ड्रा के लिए रखे गए थे। स्कूल के बच्चों ने एक-एक पर्ची निकाल जिसको सभी के मौजूदगी में और वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए पूरा किया गया। 1000 वर्ग मीटर के भूखंड में परिवर्तन किया गया, यानी जिसको पहले जो जमीन थी उनको दूसरा भूखंड दिया गया। ज्यादातर अवंतियों को उनके प्लॉट के स्थान पर अधिक जमीन मिली। ऐसे बहुत ही काम आवंती थे जिन्हें पहले के मुकाबले कम जमीन मिली। 450 वर्ग मीटर में 10 आवंटी है जबकि इस कैटेगरी में 13 प्लॉट थे सभी को अपने प्लॉट से अधिक का प्लॉट मिला। 600 वर्ग मीटर के 12 आवंती थे इनमें 13 प्लॉट थे।

क्या कहते हैं रीजनल मैनेजर अनिल शर्मा

करंट क्राइम। दैनिक करंट क्राइम से बातचीत करते हुए रीजनल मैनेजर अनिल शर्मा ने कहा कि 2007 में जिन 42 आवंटियों को प्लॉट अलॉट किया गया था, उन सभी को प्लॉट प्लॉट दे दिया गया जिनको कम जमीन मिली है आगे उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। 2007 में तकनीकी कारण और किसानों से जमीन नहीं मिल पाने के कारण प्लॉट उपलब्ध नहीं कराया जा सका। शुक्रवार को बहुत ही पारदर्शी तरीके से प्लॉटों का आवंटन किया गया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों को पहले के मुकाबले ज्यादा एरिया में प्लॉट मिला। किसी भी किसी भी अवंतियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया गया 2007 में जिस कीमत पर प्लॉट आवंटित किया गया इस कीमत पर फिर से जमीन दी गई। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक प्राधिकरण यानी यूपीसीडा अपने वादे पर कायम रहा।

आगे की क्या प्रक्रिया होगी

करंट क्राइम। जिन 42 लोगों को प्लॉट आवंटित किया गया है उन्हें जल्द से जल्द प्लॉट की रजिस्ट्री करानी होगी। उसके बाद 1 साल के भीतर उन्हें उद्योग लगाना होगा। उद्योग लगाने के बाद यूपीसीडा की ओर से इसकी जांच की जाएगी। यूपीसीडा की ओर से मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाएगी। मुख्यालय की ओर से संतुष्टि रिपोर्ट आने के बाद वह प्लॉट के स्वामित्व को पा सकते हैं। इस दौरान कोई भी आवंटी अपने प्लॉट को नहीं बेच सकता है।

मयूर माहेश्वरी लगातार बनाए हुए थे नजर

करंट क्राइम। यूपीसीडा के अध्यक्ष और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मयूर माहेश्वरी की नजर शुक्रवार को हुए लकी ड्रॉ पर बनी रही। वे कानपुर से लगातार लकी ड्रा की पल-पल की खबर ले रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि अध्यक्ष मयूर माहेश्वरी और क्षेत्रीय मैनेजर अनिल शर्मा के अथक प्रयास के बाद ही 42 आवंतियों को प्लॉट उपलब्ध कराया जा सका है। आवंतियों ने भी अध्यक्ष मयूर माहेश्वरी और क्षेत्रीय मैनेजर अनिल शर्मा के अथक प्रयासों की सराहना की है। आवंतियों ने कहा कि शायद ऐसा पहली बार हो रहा है कि 17 वर्षों बाद उन्हें कीमत में उन्हें दोबारा प्लॉट आवंटित हो रहा है। इसके लिए मयूर माहेश्वरी और क्षेत्रीय मैनेजर अनिल शर्मा के अथक प्रयास से यह संभव हो सका है।

एक आवंटी को 2500 वर्ग मीटर की जगह 2100 वर्ग मीटर का प्लॉट मिला

करंट क्राइम। लकी ड्रा के लिए 1:00 का समय रखा गया था। तब तक सारे आवंटी हॉल में पहुंच गए थे। कुछ देर बाद ही कानपुर से आए यूपीसीडा के अधिकारियों ने सभी अवंतियों को लकी ड्रा की जानकारी दी इसके बाद एक-एक करके ड्रॉ निकाला गया इस दौरान किसी भी किसी भी अवंती की ओर से सवाल नहीं किया गया। हालांकि प्रक्रिया पूरी होने के बाद 2500 वर्ग मीटर के एक आवंटी ने सवाल उठाया। उन्हें 400 मीटर कम जमीन मिल पाए उन्होंने कानपुर से आए अधिकारी के समक्ष इस बात को उठाया तो उन्होंने रीजनल मैनेजर से संपर्क कर अपना विषय उठाने को कहा।

गाजियाबाद के होम्योपैथी डॉक्टर को मिला 20 वर्ग मीटर ज्यादा का प्लॉट

करंट क्राइम। प्लॉट पाने वालों में गाजियाबाद के होम्योपैथी डॉक्टर अनिल शर्मा भी शामिल है उनको 300 वर्ग मीटर प्लॉट की जगह 320 वर्ग मीटर का प्लॉट अलॉट हुआ है। प्लॉट आवंटन होने पर खुशी जताते हुए अनिल शर्मा ने कहा कहां की बहुत ही पारदर्शी तरीके से लकी ड्रॉ किया गया। जिससे सभी अवंती खुश नजर आए उन्होंने कहा कि उनके पहले प्लॉट की रजिस्ट्री हो गई थी अब नई प्रक्रिया के तहत अगर रजिस्ट्री कराने होगी तो वह रजिस्ट्री कराएंगे जल्द ही वह मौके पर जाकर अपना प्लॉट का जायजा लेंगे।

टेढी प्लॉट मिलने की शिकायत की

करंट क्राइम। 42 अवंतियों में गुप्ता फॉर्म के प्रतिनिधि कर्मवीर नागर ने बताया कि उनको 300 मी प्लॉट की जगह 170 मी काम प्लॉट मिला है। जो प्लॉट मिला है वह भी आकार में टेढ़ा है जिस वजह से यहां उद्योग नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत रीजनल मैनेजर से की है उन्होंने बाद में इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

सावन के पहले सोमवार की तैयारी में जुटी पुलिस

डीसीपी सिटी ने किया दूधेश्वरनाथ का निरीक्षण

बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी देंगे राउंड द क्लॉक ड्यूटी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : 14 जुलाई को सावन मास का पहला सोमवार है और सावन के पहले सोमवार को लेकर पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद पूरी तरह एक्टिव और अलर्ट मोड में आ चुकी है। दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर पर सावन के पहले सोमवार के लिए जहां ड्यूटी चार्ट तैयार कर लिया गया है। तो वहीं शुक्रवार को डीसीपी सिटी आईपीएस अधिकारी धवल जायसवाल ने प्रभारी निरीक्षक घंटाघर कोतवाली अनुराग शर्मा के साथ दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर का निरीक्षण किया है।

इस मौके पर उन्होंने मंदिर के पुजारी और व्यवस्था में जुटे लोगों से मुलाकात की। तो वहीं पुलिस कर्मियों को मार्ग से लेकर मंदिर परिसर के अंदर तक सुरक्षा व्यवस्था का पूरा प्लान समझाया गया है। इस दौरान सीसीटीवी से लेकर रूफ टॉप ड्यूटी और दूरबीन लेकर भी पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। बता दें कि शिव मंदिर होने के कारण यहां पर भारी संख्या में भक्तगण आते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए महिला और पुरुष अलग-अलग कतार से प्रवेश और निकास करेंगे।

प्रवेश लेने वाले हर भक्त की होगी तलाशी

करंट क्राइम: सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को है और भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में जो भी प्रवेश करेगा पुलिसकर्मियों द्वारा उनकी तलाशी ली जाएगी। तीन ऐसे बेरिकेटिंग और चेकिंग पॉइंट बनाए गए हैं जहां से प्रवेश लेने के दौरान लोगों और भक्तगणों पर नजर रखी जा सके। वही दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के कॉरिडोर का जो निर्माण कार्य चल रहा है, उसे सावन मास और शिवरात्रि को ध्यान में रखते हुए फिलहाल रोक दिया गया है। सुरक्षा के लिहाज से यह सभी तैयारियां की जा रही हैं। वहीं एसीपी कोतवाली को भी सुरक्षा का पूरा प्लान और उसकी पहले से रिहर्सल करने का निर्देश दे दिया गया है।

बड़ी संख्या में इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और महिला पुलिसकर्मी देगी ड्यूटी

करंट क्राइम: सावन के पहले सोमवार पर दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में बड़ी संख्या में भोले बाबा के भक्त जलाभिषेक करने के लिए पहुंचेंगे, ऐसे में यहां बड़ी संख्या में इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा। वहीं ड्यूटी तैयार कर ली गई है। साथ ही जिन पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है उनको निर्देशित कर दिया गया है। पुलिसकर्मी यहां आठ-आठ घंटे की तीन शिफ्ट में तैनात रहेंगे। तो वही 13 जुलाई की रात 12 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 12 बजे तक पुलिसकर्मियों की प्रमुख प्रवेश और निकास द्वार पर ड्यूटी लगाई जाएगी। वहीं डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने जानकारी दी है कि मंदिर परिसर के अलावा दूधेश्वरनाथ पिंक बूथ पर भी कैमरा के जरिए मॉनिटरिंग की जाएगी यही से पूरा कंट्रोल रहेगा।

पैरामाउंट इमोशंस परियोजना के पूर्ण होने पर निवासियों ने ढोल-नगाड़ों बजाकर खुशी जाहिर की

ग्रेटर नोएडा करंट क्राइम। पैरामाउंट बिल्डर्स द्वारा विकसित परियोजना पैरामाउंट इमोशंस, सेक्टर-1, ग्रेटर नोएडा वेस्ट को सफलता पूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के समक्ष सभी देनदारियाँ पूर्ण रूप से निपटा दी गई हैं और परियोजना को नो ड्यूज सर्टिफिकेट भी प्राप्त हो चुका है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पैरामाउंट इमोशंस के समस्त निवासियों ने पैरामाउंट बिल्डर्स के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त किया। इस हर्षोल्लास के अवसर पर सभी निवासियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर, ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच पुष्पमालाएं पहनाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस उल्लासपूर्ण समारोह में के.आर. सिंह, ए.के. श्रीवास्तव, ओ.पी. जिंदल, कुंदन लाल शर्मा, ओमर, एस.कु. टेकड़ीवाल, राजेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य निवासी सपरिवार उपस्थित रहे।

छात्रावास के लिए जारी 10 लाख सिर्फ कागजों पर हुए खर्च

जांच में खुलासा, अधीक्षिका पर गिरी गाज

लखनऊ। छात्रावास के लिए जारी 10 लाख कागजों पर ही खर्च हो गए। 7 जुलाई को मुरादाबाद में छात्रों ने मंत्री से शिकायत की थी। इसके बाद जांच रिपोर्ट में खुलासे के बाद अधीक्षिका को निलंबित कर दिया गया है। मंत्री ने जिला समाज कल्याण अधिकारी के खिलाफ भी जांच के निर्देश दिए।

यूपी के मुरादाबाद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास के रखरखाव के लिए 10 लाख रुपये सिर्फ कागजों पर खर्च कर दिए गए। उससे जमीन पर कोई कार्य नहीं कराया गया। मामले में छात्रों की शिकायत पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने जांच कराई। जांच रिपोर्ट के आधार पर अधीक्षिका प्रवेश कुमारी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही जिला समाज कल्याण अधिकारी के खिलाफ भी जांच के निर्देश दिए गए हैं।

बच्चों ने मंत्री से की थी शिकायत

मंत्री असीम अरुण ने 7 जुलाई को मुरादाबाद के एक छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास के छात्रों ने उनसे कई शिकायतें की। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उन्होंने जांच के निर्देश दिए। मामले में मेरठ मंडल की उपनिदेशक सुनीता यादव ने 10 जुलाई को छात्रावास पहुंचकर जांच की।

मरम्मत और पुताई के काम में भी गड़बड़ी मिली

जांच में उन्होंने पाया कि मार्च में 14 कैमरे कागजों में तो खरीद लिए गए, लेकिन लगाए नहीं गए। जांच अधिकारी के पहुंचने से पहले 9 जुलाई को कैमरे लगाए गए थे।

इसी तरह 42 इंच का टीवी भी मार्च में ही लगना कागजों में बताया गया। लेकिन, टीवी 7 जुलाई को लगाया गया। इतना ही नहीं कमरों, खिड़कियों की पुताई, मुख्य गेट की मरम्मत और पुताई के काम में भी गड़बड़ी मिली। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्रा पर भागवत मान ने कसा तंज

पंजाब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा पर तंज कसा है। मान ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्या मुझे देश की विदेश नीति और उन्होंने वहां क्या किया, इसके बारे में पूछने का अधिकार नहीं है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में संपन्न पांच देशों की यात्रा पर विदेश मंत्रालय द्वारा उनकी टिप्पणी की निंदा किए जाने के बाद फिर से तीखा हमला बोला। मान ने अपनी टिप्पणियों का बचाव करते हुए कहा कि एक नागरिक और मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें देश की विदेश नीति और प्रधानमंत्री के दौरे के उद्देश्यों पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है।

मान ने चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्या मुझे देश की विदेश नीति और उन्होंने वहां क्या किया, इसके बारे में पूछने का अधिकार नहीं है। कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, अडानी का कारोबार वहीं क्यों शुरू हो जाता है। मैं भविष्य में भी सवाल पूछता रहूंगा। बता दें कि विदेश मंत्रालय ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने एक उच्च सरकारी अधिकारी की ओर से वैश्विक दक्षिण के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में की

गई कुछ टिप्पणियों को देखा है। ये टिप्पणियां गैर-जिम्मेदाराना और निराशाजनक हैं। ऐसे बयान सरकारी अधिकारी को शोभा नहीं देते। भारत सरकार ऐसी अनुचित बयानबाजी से खुद को अलग करती है, जो मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमजोर करती हैं।'

'यह किसी सरकारी अधिकारी को शोभा नहीं देती'

भगवंत मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार एक उच्च राज्य प्राधिकरण की ओर से की गई गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों से खुद को अलग करती है। इससे मित्र देशों के साथ भारत के संबंध कमजोर होते हैं। मान की टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टिप्पणियां गैर-जिम्मेदाराना और खेदजनक हैं। यह किसी सरकारी अधिकारी को शोभा नहीं देती।

भगवंत मान ने क्या कहा था?

इससे पहले भगवंत मान ने एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते, बल्कि 10,000 की आबादी वाले देशों का दौरा करते हैं।

मान ने कहा था, 'प्रधानमंत्री कहीं गए हैं। मुझे लगता है कि वह घाना गए हैं। वह वापस आएंगे और उनका स्वागत है। भगवान ही जाने वह किन देशों में जाते रहते हैं, 'मैग्नेशिया', 'गैल्विसा', 'टार्विसिया'। वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते। वह ऐसे देशों में जा रहे हैं, जहां की आबादी 10,000 है और उन्हें वहां 'सर्वोच्च पुरस्कार' मिल रहे हैं। यहां 10,000 लोग एक जेसीबी देखने के लिए इकट्ठा हो जाते हैं। उन्होंने खुद को किस मुसीबत में डाल लिया है!'

पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा बोले...

वहीं, पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार चाहती है कि भाखड़ा ब्यास बांध की सुरक्षा के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को तैनात किया जाए लेकिन पिछले 70 साल से पंजाब की पुलिस उसकी सुरक्षा कर रही है।

भुवनेश्वर में राहुल गांधी का भाजपा पर हमला

कहा अब बिहार में चुनाव चोरी करने की हो रही साजिश

भुवनेश्वर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। मैं कल बिहार में था। जिस तरह महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई, उसी तरह का प्रयास बिहार में किया जा रहा है। चुनाव की चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साजिश रची है। चुनाव आयोग भाजपा की शाखा के रूप में काम कर रहा है, वह अपना काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए। कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और वे कहां से आए थे? हमने चुनाव आयोग से कई बार कहा कि हमें मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराएं। लेकिन चुनाव आयोग ने हमें यह उपलब्ध नहीं कराया। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे। ओडिशा सरकार को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि ओडिशा सरकार का एक ही काम है, राज्य के गरीब लोगों के हाथों से ओडिशा का धन चुराना। पहले बीजद सरकार ने यही किया और अब भाजपा सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता,

भाजपा आदिवासियों और दलितों का सफाया कर देगी : खरगे

भुवनेश्वर रैली में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि भाजपा दलितों और आदिवासियों का सफाया कर देगी। उनको अपने अधिकारों के लिए लड़ना होगा। भाजपा समर्थक ओडिशा में दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमला कर रहे हैं। भाजपा सरकार संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने का प्रयास कर रही है।

दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं और दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और भाजपा सरकार है। यह लड़ाई जारी है। केवल कांग्रेस कार्यकर्ता, ओडिशा की जनता के साथ मिलकर, इस लड़ाई को जीत सकते हैं, कोई और नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि अदाणी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अदाणी नरेंद्र मोदी को चलाते हैं। जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसका अनुसरण करते हैं। फिर एक नाटक होता है - अदाणी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं। इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ में आ जाएगा। यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है। इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को चुराना है।

उन्होंने कहा कि कुछ नया शुरू हुआ है। ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएं गायब हो गईं। आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएं कहां गईं? यहां हर दिन महिलाओं पर अत्याचार होता है।

प्रियांक खरगे बोले- कर्नाटक में नहीं हो रहा नेतृत्व परिवर्तन

बिहार में एसआईआर पर भी दी प्रतिक्रिया

बंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर मंत्री प्रियांक खरगे ने लगाम लगाते हुए कहा कि 'जब कांग्रेस अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राज्य प्रभारी स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं हो रहा है... तो बात यहीं खत्म हो जाती है'। वहीं विपक्ष के सवाल उठाने पर उन्होंने कहा विपक्ष को न जाने और कौन बताएगा और कितनी बार में समझ आएगा?'

बिहार में एसआईआर पर भी दी प्रतिक्रिया

जबकि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष जांच पुनरीक्षण (एसआईआर) जारी रखने की अनुमति दिए जाने पर, उन्होंने कहा, 'यह आंशिक रूप से स्वीकार्य है, लेकिन अब यह जरूरत और विशेष गहन अभियान क्यों... ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग अब सरकार के आदेशों का पालन कर रहा है... क्या बिहार के अलावा किसी भी अन्य राज्य में मतदान के लिए आधार और अन्य दस्तावेज मान्य हैं?... बांग्लादेशी देश में कैसे घुस आए?... सीमाएं इतनी असुरक्षित क्यों हैं? पहलगाम के हमलावर कहां हैं?'

राउत का दावा- सीएम बनने के लिए बेताब हैं शिंदे

शिवसेना का भाजपा में विलय तक करने को तैयार

मुंम्बई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बनने के लिए बेताब हैं और अपनी पार्टी का भाजपा के साथ विलय करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि शिंदे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर फडणवीस की शिकायत की और मराठी एकता को कमजोर करने की बात कही। वहीं, शिवसेना की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने राउत के दावों को बेबुनियाद बताया। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री बनने के लिए इतने बेताब हैं कि उन्होंने शिवसेना को बीजेपी में मिलाने तक की पेशकश कर दी है। राउत ने दावा किया कि शिंदे ने हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की शिकायत की।

हालांकि, शिवसेना की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने राउत पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें इस तरह की बयानबाजी करने की आदत है और उनकी पार्टी के लोग भी अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा, एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से मुलाकात में कहा कि फडणवीस उन्हें काम नहीं करने दे रहे हैं और उनके विधायकों के खिलाफ जांच करवा रहे हैं।

राज्यसभा सांसद राऊत ने आगे आरोप लगाया कि शिंदे ने शाह से यह भी कहा कि मराठी एकता को मजबूत करने की कोशिशें उनकी पार्टी के लिए नुकसानदायक हैं और इस आंदोलन को कमजोर करना जरूरी है। राऊत उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की संयुक्त विजय रैली का जिक्र कर रहे थे।

यह रैली सरकार द्वारा हिंदी को 'अनिवार्य' बनाने और कक्षा एक से पांच तक तीन भाषा के फॉर्मूले से जुड़े दो विवादास्पद आदेशों को वापस लेने के बाद आयोजित की गई थी। राउत ने दावा किया, शिंदे ने शाह को कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाए तो इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकती है और महाराष्ट्र की राजनीति में स्थिरता आ सकती है।

खाटूश्याम में श्रद्धालुओं से भिड़े दुकानदार

दोनों पक्षों में चलीं लाठियां, चार गिरफ्तार

सीकर। राजस्थान के खाटूश्यामजी में श्याम कुंड के पास श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों के बीच झगड़े का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है और घायलों का मेडिकल कराया गया है। मंदिर कमेटी की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है।

बाबा श्याम की नगरी खाटूश्यामजी से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो श्याम कुंड के पास का है, जहां श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ। घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार मामला शुक्रवार सुबह 11 बजे का बताया जा रहा है। उस समय तेज बारिश हो रही थी। बताया गया कि खाटूश्यामजी में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। ऐसे में अचानक बारिश होने लगी तभी कुछ श्रद्धालु बचने के लिए एक दुकान में चले गए। इस पर दुकानदार ने उनको बाहर जाने को कहा। श्रद्धालुओं ने तेज बारिश का हवाला दिया तो दुकानदार से बहस शुरू हो गई।

देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठियां चल गईं। इस घटना में कई लोग चोटिल हुए हैं। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में झमाझम बारिश के बीच कुछ लोग आपस में भिड़ते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब वायरल हो रहा है।

हालांकि मंदिर कमेटी की ओर से अब तक वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। थानाधिकारी पवन चौबे का कहना है मध्य प्रदेश से आए श्रद्धालु भारी बारिश में बचाव के लिए एक दुकान में चले गए थे। दुकानदार ने उनके आने पर नाराजगी व्यक्त की। इसके बाद स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं में कहासुनी हो गई। दोनों पक्षों में लाठियां चलीं जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्रद्धालुओं का मेडिकल भी कराया गया है।

कांवड़ मेले के लिए जारी किया विशेष हेल्पलाइन नंबर

एसएसपी बोले- हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा

देहरादून। शुक्रवार से शुरू हो रहे कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए करीब चार हजार पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। पूरे मेला क्षेत्र को 16 सुपर जोन, 37 जोन और 134 सेक्टरों में विभाजित किया गया है।

कांवड़ मेले के लिए पुलिस ने एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। पुलिस की ओर से जारी नंबर 91-9520625934 पर कांवड़ यात्रा से जुड़ी किसी भी प्रकार की शिकायत या सुझाव साझा किए जा सकते हैं। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे सक्रिय रहेगा और इस पर प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा।

वहीं एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेशन की अध्यक्षता

में हुई बैठक में एडीजी अभिसूचना एपी अंशुमान, आईजी यातायात एनएस नपच्याल, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, डीएम हरिद्वार मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने जानकारी दी। वी मुरुगेशन ने निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा एक बड़ी चुनौती है, जिसे हम सबको मिलकर सकुशल संपन्न कराना है।

चार हजार पुलिस-अर्द्धसैनिक बल तैनात

कहा कि सभी जवान चप्पे-चप्पे पर नजर रखें और अफवाहों को फैलने से रोकें। कोई घटना छोटी नहीं होती, सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। एडीजी एपी अंशुमान ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले कंटेंट पर विशेष निगरानी रखें।

आईजी एनएस नपच्याल ने कहा कि भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था का प्रबंधन हर छोटे व बड़े मेलों में महत्वपूर्ण है। यातायात की मॉनिटरिंग 24 घंटे की जाए। आईजी राजीव स्वरूप ने कहा कि सभी घटनाओं पर सतर्क दृष्टि बनाए रखें। यातायात प्लान को सुव्यवस्थित तरीके से लागू करने के निर्देश दिए। कोई भी वाहन सड़क किनारे पार्क नहीं होना चाहिए।

मानसून से बदरी-केदार यात्रा की रफ्तार हुई धीमी

प्रतिदिन दर्शनार्थियों की संख्या में कमी दर्ज

रूद्रप्रयाग। मानसून के सक्रिय होते ही चारधाम यात्रा की रफ्तार भी थम सी गई है। पिछले एक सप्ताह से केदारनाथ में प्रतिदिन दर्शनार्थियों की संख्या में कमी दर्ज की जा रही है। यात्रा कम होने से केदारघाटी के बाजारों, पड़ाव और केदारपुरी में व्यवसायिक गतिविधियां भी व्यापक रूप से प्रभावित हो गई है।

इस वर्ष मई माह में केदारनाथ धाम 6 लाख 96 हजार 934 श्रद्धालु पहुंचे। जून महीने में 6 लाख 18 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। मानसून के सक्रिय होने से रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे और गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग बाधित होने से यात्रा प्रभावित हो रही है। जुलाई माह के नौ दिनों के दौरान 27 हजार 280 श्रद्धालु ही केदारनाथ पहुंचे हैं। बुधवार को धाम में सिर्फ 1165 भक्तों ने ही दर्शन किए थे, जो सबसे कम संख्या है। दूसरी तरफ यात्रा की रफ्तार थमने से कारोबार पर भी असर पड़ा है। केदारनाथ में कैंटीन संचालक राकेश नेगी ने बताया कि यात्रा में कमी आने से कारोबार ठप सा हो गया है। वहीं, गढ़वाल मंडल विकास निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक गिरवीर सिंह रावत ने बताया कि यात्रा कम होने से प्रतिदिन कई बुकिंग रद्द हो रही हैं।

बीकेटीसी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी युदवीर पुष्पवाण ने बताया कि जून तीसरे सप्ताह से यात्रा में कमी आने लगी थी। इन दिनों प्रतिदिन डेढ़ से दो हजार यात्री ही धाम पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ धाम में इस साल होटल व्यवसाय में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 15 से 20 प्रतिशत तक होटलों में बुकिंग कम आई है। होटल व्यवसायी इसके लिए कई घटनाओं को कारण मान रहे हैं। बदरीनाथ धाम की यात्रा इस साल चार मई को शुरू हुई। वर्तमान तक धाम में 11 लाख 40 हजार से अधिक यात्री दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या पर्याप्त होने के बावजूद होटल व्यवसाय में गिरावट आई है। होटल व्यवसायियों का कहना है कि इस बार पिछले साल के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत तक बुकिंग में कमी आई है।

बदरीनाथ होटल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी रामनारायण भंडारी का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार कारोबार कम होने के पीछे कई कारण हैं। ऑनलाइन पंजीकरण, यात्रा के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते काफी संख्या में होटलों की बुकिंग कैंसिल हुई हैं।

होटल व्यवसायी अंशुमान भंडारी का कहना है कि 15 जून के बाद उनके होटल में 50 प्रतिशत तक गिरावट आई है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और केदारनाथ में हुईं हेली दुर्घटनाओं से उच्च तबके के लोग कम पहुंचे। जिससे व्यवसाय में काफी गिरावट आई है। बरसात के कारण जगह-जगह हाईवे बंद होने से चारधाम यात्रा पर असर पड़ा है। बृहस्पतिवार को इस यात्रा सीजन के दौरान एक दिन में सबसे कम श्रद्धालु बदरीनाथ और हेमकुंड साहिब पहुंचे। लगातार हो रही बारिश से बदरीनाथ हाईवे जगह-जगह बंद हो रहा है। इससे बदरीनाथ में यात्रियों की संख्या काफी कम हो गई है। बृहस्पतिवार को बदरीनाथ में 1794 श्रद्धालु पहुंचे। धाम में अब तक 11 लाख 45 हजार 510 श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। वहीं हेमकुंड साहिब में बृहस्पतिवार को 534 श्रद्धालु पहुंचे। यहां अब तक दो लाख 9073 श्रद्धालु पहुंच चुके हैं।

अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर को लेकर बलरामपुर पहुंची एटीएस, की जा रही जांच

लखनऊ। अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर को लेकर एटीएस की टीम शुक्रवार दोपहर बलरामपुर पहुंची। इस दौरान इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं।

आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की एक टीम शुक्रवार को उतरौला के मधपुर पहुंची। दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कार्पियो गाड़ी से एटीएस अवैध धर्मांतरण के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर को साथ लेकर आई। एटीएस सीधे मधपुर छांगुर के आवास पर पहुंची। पुलिस ने मधपुर जाने वाले रास्तों पर आवागमन रोक दिया। छांगुर को लेकर मकान में पीछे के रास्ते से टीम अंदर गई। वहां छानबीन करने में टीम जुटी है। अभी टीम पड़ताल कर रही है।

तीन वर्षों में 500 करोड़ की फंडिंग हुई

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को बीते तीन वर्षों में करीब 500 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग हुई है। इसमें से अभी बस 200 करोड़

की ही पुष्टि हो सकी है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार शेष 300 करोड़ रुपये का लेनदेन नेपाल के माध्यम से हुआ है।

फंडिंग के लिए काठमांडू सहित नेपाल के सीमावर्ती जिलों नवलपरासी, रुपनदेही व बांके में 100 बैंक खाते खुलवाए गए। उन्हीं में धर्म परिवर्तन कराने के लिए पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब व तुर्किए से पैसे भेजे गए। एजेंट चार से पांच प्रतिशत कमीशन पर नेपाल के बैंक खातों से पैसे निकालकर सीधे छांगुर तक पहुंचा देते थे। इसमें कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) की भी मदद ली जाती थी।

रायबरेली में पकड़े गए साइबर अपराधियों को भी इसी कड़ी का एक हिस्सा बताया जा रहा है, जिनके तार पाकिस्तान और दुबई से भी जुड़े हैं। इस गिरोह ने करीब 700 करोड़ रुपये का लेनदेन किया है। इन्होंने अयोध्या के साथ ही लखनऊ, बलरामपुर व गोंडा में भी करोड़ों रुपये भेजे हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 12 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भारत के पहले डुअल बे रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन

यशोदा मेडिसिटी और इंट्यूटिव द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्र में शल्य चिकित्सा से जुड़ी विभिन्न विशेषज्ञताओं में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा

गाजियाबाद करंट क्राइम। रोगियों के इलाज और देखभाल में उत्कृष्टता के लिए मशहूर यशोदा मेडिसिटी ने न्यूनतम इनवेसिव देखभाल और रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी में वैश्विक अग्रणी इंट्यूटिव के साथ साझेदारी में इंदिरापुरम, गाजियाबाद में एक अत्याधुनिक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी (आरएएस) प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। इस अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों, सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील शर्मा की उपस्थिति में किया गया।

यह प्रशिक्षण केंद्र शल्य चिकित्सकों (सर्जन) और देखभाल टीमों को यूरोलॉजी, स्त्री रोग, सामान्य शल्य चिकित्सा जैसी विभिन्न विशेषज्ञताओं में रोबोटिक-सहायता प्राप्त सर्जरी के कौशल से लैस करेगा। यशोदा मेडिसिटी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद और इंट्यूटिव की इस साझेदारी का उद्देश्य उन्नत टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण प्रदान कर और देश भर में एक मजबूत, भविष्योन्मुख सर्जिकल पारितंत्र विकसित कर भारत में रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी को बढ़ावा देना है।

यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा, यशोदा मेडिसिटी के लिए यह गर्व भरा ऐतिहासिक क्षण है। डुअल-बे रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने वाले भारत के चुनिंदा अस्पतालों में शामिल होना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा में वैश्विक स्तर की बेहतरीन प्रथाओं को शामिल करने के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह केंद्र कुशल सर्जनों को प्रशिक्षित करने और शल्य चिकित्सा के मानकों को नई ऊंचाई पर तक ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। हम ऐसे उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए कटिबद्ध हैं, जिससे तेज प्रगति हो और रोगियों के इलाज का भविष्य उज्जवल हो।

यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की प्रबंध निदेशक, डॉ. उपासना अरोड़ा ने कहा, यह कार्यक्रम शल्य चिकित्सा देखभाल में सुधार और बेहतर उपचार को व्यापक रूप से उपलब्ध कराकर 'हील इन इंडिया' पहल का समर्थन करने के हमारे साझा लक्ष्य को दशार्ता है। इस रोबोटिक-असिस्टेड सर्जिकल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना भारत को उच्च-गुणवत्ता, न्यूनतम इनवेसिव (चीर-फाड़) प्रक्रियाओं के लिए वैश्विक गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम ताजातरीन टेक्नोलॉजी के जरिये चिकित्सकों को सशक्त बनाकर और शल्य चिकित्सा क्षमताओं को बढ़ाकर भारत और विदेश के रोगियों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं और साथ ही देश के उभरते स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में सार्थक योगदान देना चाहते हैं।

इंट्यूटिव की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. मिरियम क्यूरेट ने नए प्रशिक्षण केंद्र के बारे में अपनी टिप्पणी में कहा, इंट्यूटिव में, हमारा मानना है कि सर्जनों को उचित उपकरण और प्रशिक्षण प्रदान करना, रोगियों को बेहतर इलाज प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। यशोदा मेडिसिटी के साथ मिलकर तैयार किया गया यह नया प्रशिक्षण केंद्र, भारत में आरएएस टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है।

कांवड़ शिविरों में रहने वाले कर्मचारियों को भी जारी होंगे पहचान पत्र सुरक्षा को लेकर किया गया फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा ना हो और कोई शरारती तत्व किसी तरह से माहौल ना बिगड़े, इसको लेकर इस बार पुलिस और प्रशासन द्वारा एक नया और कड़ा नियम बनाया गया है। जिसके तहत कावंड़ यात्रा के दौरान इस बार लगने वाले शिविरों में इस बार रसोई में काम करने वाले स्टाफ को पहचान पत्र देने और बाहरी लोगों का रसोई तक प्रवेश रोकने की व्यवस्था की जाएगी। तो वहीं शिविर में अलग अलग जगहों पर सीसीटीवी लगाने का भी आदेश दिया गया है। पुलिस-प्रशासन और शिविर संचालकों के बीच मीटिंग में यह आदेश जारी किया गया। अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की गई। किसी भी आपात स्थिति में संबंधित लिंक अफसर से संपर्क करने को कहा गया है।

शिविर में रखा जाएगा साफ सफाई का विशेष ध्यान

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जानकारी दी है कि नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह कावड़ शिविरों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखेंगे। वहीं, यह भी आदेश दिया गया कि हर अफसर अपने फोन पर 24 घंटे मौजूद रहेगा और कांवड़ संबंधित किसी भी कॉल को लेकर तुरंत कार्रवाई शुरू कराएगा। शिविरों में पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन आदि की उचित व्यवस्था अनिवार्य होगी। किसी भी अस्थायी निर्माण के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।

कांवड़ रखने के लिए बनेंगे मजबूत स्टैंड

करंट क्राइम : शिविरों में प्रवेश-द्वार, निकास-द्वार, रसोई व विश्राम स्थलों एवं कांवड़ रखे जाने वाले स्थान पर सीसीटीवी लगाए जाएं। - फोन चार्जिंग प्वाइंट, बिजली की सुरक्षित वायरिंग, परिचय-पत्रधारी कर्मचारियों की नियुक्ति आवश्यक है। -रसोई संचालन में लगे सभी व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की जाए और अज्ञात व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। आग बुझाने के प्राथमिक यंत्र हर शिविर में मौजूद होने चाहिए। शिविर मुख्य मार्ग से दूरी बनाकर स्थापित किए जाएं, ताकि आवागमन बाधित न हो। कांवड़ रखने के लिए मजबूत और अधिक स्टैंड बनाए, ताकि अव्यवस्था न हो।

चादर गैंग का 50 हजार का इनामी बदमाश एनकाउंटर के बाद साथियों सहित गिरफ्तार

ब्रांडेड घड़ी शोरूम में की थी लाखों की चोरी, इंदिरापुरम पुलिस ने अब तक 11 आरोपी किए गिरफ्तार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में बीते साल घड़ियों के शोरूम में करोड़ों की चोरी के मामले में पुलिस ने फिर एक 50 हजार रुपए के इनामी बदमाश को ऑपरेशन लंगड़ा के तहत गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके दो फरार साथी भी दबोच गए हैं। पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच स्वाट टीम और इंदिरापुरम थाना पुलिस द्वारा 50 हजार के ईनामी बदमाश दीपक कुमार निवासी विहार , सिराज मियां और साथी कारण को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक महंगी घड़ी, तमंचे, चाकू और अन्य सामान बरामद किया है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया है की घड़ी शोरूम चोरी मामले में पुलिस अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार करके लाखों रुपए की महंगी ब्रांडेड विदेशी घड़ी बरामद कर चुकी है। साथ ही कई फरार आरोपियों की तलाश जारी है। बताया जा रहा है जो बदमाश गिरफ्तार हुए हैं यह चादर गैंग के सदस्य हैं। जो दुकान या शोरूम के बाहर पहले सड़क साइड चादर लगते हैं और फिर वारदात को अंजाम देते हैं।

इंदिरापुरम सर्किल में लगातार जारी है ऑपरेशन लंगड़ा

करंट क्राइम: पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन जोन में आने वाले इंदिरापुरम सर्किल के अंतर्गत खोड़ा, कौशांबी और इंदिरापुरम थानाक्षेत्र आता है। तीनों ही थानाक्षेत्र में पुलिस लगातार अपराधियों और आरोपियों के विरूद्ध आपरेशन लंगड़ा जारी रखे हुए हैं। गुरुवार की देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो रहे बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसके बाद आरोपी दीपक और उसके साथी सिराज मियां व करन गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में हाफ एनकाउंटर के मामले में इंदिरापुरम सर्किल टॉप पर बना हुआ है। इंदिरापुरम पुलिस ने जिस तरीके से घड़ी शोरूम से विदेशी घड़ी चुराने वाले बदमाशों को पकड़ने में एक साल बाद सफलता हासिल की है। उसमें स्वाट क्राइम टीम और इंदिरापुरम पुलिस की तारीफ हो रही है।

क्राइम स्वाट टीम व नाका शिप्रा सनसिटी को मिली सफलता

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में क्राइम स्वाट टीम के प्रभारी अब्दुल रहमान सिद्दीकी ने बताया है कि फरार आरोपियों के लिए पुलिस बीते एक साल से संघर्ष कर रही थी। उनको जानकारी मिली जिसके बाद इंदिरापुरम थाना पुलिस और नाका शिप्रा सनसिटी प्रभारी जय कुमार व स्वाट टीम को लेकर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है।

रविवार रात से लेकर सोमवार रात तक डायवर्सन रहेगा जारी

दूधेश्वरनाथ मंदिर की तरफ जाने वाले रहें अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सावन के पहले सोमवार को लेकर यातायात पुलिस ने दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर की ओर आने और जाने वाले मार्ग का ड्राइवर प्लान जारी कर दिया है तो वही लगभग 18 घंटे से अधिक इस पूरे मार्ग पर प्रत्येक सोमवार को डायवर्सन जारी रहेगा एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने जानकारी दी है कि सावन मास के पहले सोमवार और कावड़ यात्राओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

श्रावण माह प्रथम सोमवार के अवसर पर दूधेश्वरनाथ मंदिर पर यातायात डायवर्जन

- 13 जुलाई की रात्रि 10 बजे से दिन 14 जुलाई तक जारी रहेगा।
- चौधरी मोड़ की ओर से हापुड़ तिराहा मेरठ तिराहा की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों को घण्टाघर फ्लाईओवर के उपर से उनके गतव्य को भेजा जायेगा।
- घण्टाघर फ्लाईओवर से नीचे जस्सीपुरा हापुड़ तिराहा की ओर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।
- इसी प्रकार हापुड तिराहा से आगे जस्सीपुरा/घंटाघर की ओर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।
- विजयनगर की ओर से आने वाले सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन गौशाला फाटक, चौकी बैरियर से आगे दूधेश्वरनाथ मन्दिर की ओर की ओर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।
- जलाभिषेक हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था
- दूधेश्वरनाथ मन्दिर पर चौधरी मोड की ओर से जलाभिषेक हेतु आने वाले ऋद्धालु अपने वाहनों को रामलीला मैदान में पार्क करेंगे एवं जलाभिषेक हेतु मन्दिर तक पैदल जायेंगे।
- दूधेश्वरनाथ मन्दिर पर विजयनगर की ओर से जलाभिषेक हेतु आने वाले ऋद्धालु अपने वाहनों को मिलिट्री मैदान (विजयनगर) में पार्क करेंगे एवं जलाभिषेक हेतु मन्दिर तक पैदल जायेंगे।
- दूधेश्वरनाथ मन्दिर पर हापुड़ चुंगी एवं पुराना बस अड्डा की ओर से जलाभिषेक हेतु आने वाले ऋद्धालु अपने वाहनों को नवयुग मार्केट के मार्ग पर पार्क करेंगे एवं जलाभिषेक हेतु मन्दिर तक पैदल जायेंगे।
- किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए डायवर्जन प्लान का पालन करें।
- महत्वपूर्ण हेल्प लाइन मोबाइल नंबर, यातायात नियंत्रण कक्ष - 9643322904 यातायात निरीक्षक प्रथम, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे/शहर क्षेत्र 7398000808 यातायात निरीक्षक द्वितीय, मेरठ रोड/शहर क्षेत्र-8707676770

गाजियाबाद में घुसते ही हर कांवड़िया होगा सीसीटीवी में कैद

एडिशनल सीपी ने लिया मोदी नगर में व्यवस्थाओं का जायजा

एसीपी व थाना प्रभारी मोदीनगर के साथ मिलकर निरीक्षण किया

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मेरठ से आने वाले कांवड़िये जैसे ही गाजियाबाद की सीमा में मोदी नगर के कादराबाद बॉर्डर से एंटी लेंगे तो कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा लगाए गए सीसीटीवी में वह कैद हो जाएंगे। शुक्रवार को कावंड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एडिशनल सीपी अपराध एवं कानून व्यवस्था आलोक प्रियदर्शी, एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश और थाना प्रभारी मोदीनगर नरेश शर्मा ने यहां लगाए गए कैमरों का जायजा लिया है। इस दौरान सभी कैमरे की लोकेशन चेक करने के साथ ही उनकी स्थिति भी जांची गई है कि वह ठीक प्रकार से काम कर रहे हैं या नहीं। दरअसल पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही मेरठ से भोले बाबा के भक्त गाजियाबाद की सीमाओं में प्रवेश करेंगे , वह सीसीटीवी की जड़ में आ जाएंगे। उन पर निगरानी रखने के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने बनाए गए मुख्य कावड़ कंट्रोल रूम से लेकर स्टैटिक कंट्रोल रूम में उनकी तस्वीर नजर आएंगी। तो संदिग्ध नजर आने वाले लोगों पर कैमरे से निगरानी होगी। तो वही कानून व्यवस्था की स्थिति को हाथ में लेने वाले लोगों पर पुलिस कड़ा एक्शन लेने का भी काम करेगी। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश ने कहा है कि आने वाले दिनों में कांवड़ियों की संख्या बढ़ेगी, फिलहाल अभी से पुलिस कर्मियों की ड्यूटी चिन्हित स्थानों पर लगा दी गई है।

शहर में कोई सकारात्मक पहल हो तो उसका स्वागत करना चाहिए : बालेश्वर त्यागी

पूर्व सांसद के चित्र के साथ किया पूर्व मंत्री ने पुरानी यादों को साझा

अलग-अलग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों का किसी एक विषय पर एक मत होना लगभग असंभव सा ही होता है क्योंकि हर किसी गतिविधि से कोई न कोई संदेश निकलता ही है और उस संदेश से होने वाली लाभ या हानि सभी को समान नहीं होती। एक दूसरे के राजनैतिक हित विरोधाभासी होने के कारण बहुत सारे विषयों पर सहमति नहीं होती है।

गाजियाबाद में गोविंदपुरम सबसे अधिक हरी भरी कॉलोनी है। इसमें जहां नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का योगदान है वहीं इस क्षेत्र के निवासियों का भी योगदान है। सरकार की वही योजना अधिक सफल होती है जिसमें जन सहयोग अधिक होता है।

गाजियाबाद करंट क्राइम। चित्र कई वर्ष पहले का है। चित्र में महर्षि दयानंद विद्यापीठ के सामने ग्रीन बेल्ट में वृक्षारोपण के बाद रोपित वृक्ष को पानी देते हुए सुरेन्द्र प्रकाश गोयल, पूर्व सांसद, साथ में पूर्व विधायक नरेंद्र शिशौदिया, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिंह सिरोही, पूर्व विधायक रूप चौधरी, मै स्वयं और अवधेश जी। हम पूर्व जन प्रतिनिधियों ने बैठकर शहर में कुछ सकारात्मक पहल करने की चर्चा की और जलपान किया। वृक्षारोपण करके इसे स्मरणीय बनाने का प्रयास किया। लेकिन हम इस को निरंतरता प्रदान नहीं कर सके। अलग-अलग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों का किसी एक विषय पर एक मत होना लगभग असंभव सा ही होता है क्योंकि हर किसी गतिविधि से कोई न कोई संदेश निकलता ही है और उस संदेश से होने वाली लाभ या हानि सभी को समान नहीं होती। एक दूसरे के राजनैतिक हित विरोधाभासी होने के कारण बहुत सारे विषयों पर सहमति नहीं होती है। मुझे अभी भी याद है, उस समय हमारे दो तीन प्रतिनिधि इस लिए नहीं आए क्योंकि उन्हें इस कार्यक्रम में कुछ निहितार्थ दिखाई दिए। सामाजिक विषयों पर सहमति हो सकती है। लेकिन अगर परस्पर विश्वास पर शंका हो तो भी योजना के सिरे चढ़ने में कठिनाई होती है। कभी कभी आयोजन से जुड़े कोई व्यक्ति ही बिना किसी हेतु के हंसी मजाक में ही किसी कार्यक्रम को विवादास्पद बना देते हैं। शहर हमारा है, हमने भी इसे अच्छा बनाने के लिए अपने से कुछ न कुछ योगदान किया है। जब आज हम जनप्रतिनिधि नहीं हैं तब भी हम अपने सुझावों से इसको सुंदर बनाने में योगदान कर सकते हैं। इस शहर को लेकर हमारी समझ इस शहर में नियुक्त होकर आए अधिकारी से तो बेहतर हो ही सकती है। क्योंकि हमारी भावनाएं जुड़ी हैं और हमारा निजी अनुभव है। दुर्भाग्य से हमारे दो साथी सुरेन्द्र प्रकाश गोयल और नरेंद्र शिशौदिया स्वर्गवासी हो गए। गाजियाबाद में गोविंदपुरम सबसे अधिक हरी भरी कॉलोनी है। इसमें जहां नगर निगम और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का योगदान है वहीं इस क्षेत्र के निवासियों का भी योगदान है। सरकार की वही योजना अधिक सफल होती है जिसमें जन सहयोग अधिक होता है। वैसे स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर बच्चों में भी जागरूकता बढ़ी है। पाठ्यक्रम में शामिल होने और विभिन्न माध्यमों से इनके अभाव में होने वाले खतरों का प्रचार और प्रसार का भी योगदान है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में भी शहर के बहुत सारे लोगों ने वृक्षारोपण करके इसको विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। गाजियाबाद नगर के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने भी बड़ी संख्या में इसमें वृक्षारोपण किया था।

संपादकीय

कौशल की कमी दूर करना जरूरी

भारत के रोजगार क्षेत्र का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जहां एक ओर बेरोजगारी बड़ी चुनौती बनी हुई है, वहीं देश के संभावित बड़े नियोक्ताओं की शिकायत है कि उन्हें काम करने के लिए श्रमिक नहीं मिल रहे हैं। गत सप्ताह लार्सन ऐंड टुब्रो के चेयरमैन एस एन सुब्रमण्यन ने कहा कि इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी को कुल मिलाकर 45,000 श्रमिकों और इंजीनियरों की जरूरत है। इस मामले में एलऐंडटी कोई अपवाद नहीं है। पूरे भारत की बात करें तो पूर्व में स्टील निमार्ताओं से लेकर टेक्सटाइल हब तिरुपुर तक कंपनियों को मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, फिटर, वाहन चालक, टेक्नीशियन, कारपेंटर और प्लंबर जैसे साधारण कामों के लिए कुशल श्रमिक तलाशने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह कमी केवल ऑर्डर बुक के विस्तार, चुनावों या गर्मियों की वजह से नहीं है जिन्होंने श्रमिकों को वापस उनके गांव भेज दिया। यह देश के श्रम बाजार की एक पुरानी कमजोरी का परिणाम है जिसकी वजह से वेतन और लागत में ऐसे समय में इजाफा हो रहा है जब निजी क्षेत्र का निवेश अभी भी अपेक्षाकृत कमजोर है। यह कमी उस समय और बढ़ जाती है जब हम मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाते हैं। उस स्थिति में कंपनियों को अंतर को पाटने के लिए विदेशों खासकर चीन से तकनीशियनों और इंजीनियरों को बुलाना पड़ता है। इस कमी की प्रमुख वजह शिक्षा और प्रशिक्षण की खराब गुणवत्ता है। इससे कंपनियों को इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों के प्रशिक्षण की अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है। ताजा इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार करीब 64 फीसदी इंजीनियरिंग ग्रैजुएट रोजगार पाने योग्य हैं और इनमें से 40 फीसदी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानी आईटीआई से आते हैं। कुल मिलाकर करीब आधे युवाओं के पास ही रोजगार पाने लायक कौशल है।

दिलचस्प है कि यह हतोत्साहित करने वाली तस्वीर भी 2014 की तुलना में बेहतर है। उस समय केवल 33.9 फीसदी युवा ही रोजगार पाने लायक थे। यह सुधार सरकार के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा अप्रेंटिस एवं अन्य योजनाओं की बदौलत आया। इस प्रगति के बावजूद रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि बाजार को कुशल श्रमिक उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। यह बताती है कि केवल दो फीसदी श्रमिकों के पास औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है और नौ फीसदी के पास अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है। इसके अलावा सरकार के कौशल कार्यक्रमों में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षकों या प्रमाणन की कमी है। इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित 20 फीसदी से भी कम लोगों को कंपनियों में रोजगार मिल पाया। समस्या की मूल वजह यह है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। इससे एक बार फिर यह बात रेखांकित होती है कि उद्योग जगत के साथ करीबी भागीदारी करने की आवश्यकता है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम इस समस्या का सटीक उदाहरण हैं।

कुमार मंगलम बिड़ला को मिली अहम जिम्मेदारी

भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को देंगे नई दिशा

नई दिल्ली। वरक्रढक्र ने शुक्रवार को बताया कि आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को मंच के निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया है। बिड़ला अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया है। यूएसआईएसपीएफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कुमार बोर्ड की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे। समूह की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है बे मिनेट। इसका अलबामा में 4.1 अरब डॉलर का निवेश है, जो चार दशकों में अमेरिका में पहला पूरी तरह से एकीकृत एल्युमीनियम रोलिंग और रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित करेगा। यह अलबामा के इतिहास में सबसे बड़ा औद्योगिक निवेश होगा।

बिड़ला ने कहा इसमें शामिल होना सम्मान की बात

बिड़ला ने कहा कि यूएसआईएसपीएफ की कार्यकारी समिति में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। बहुत कम समय में ही यूएसआईएसपीएफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मजबूत करने में इसकी बड़ी भूमिका है। दोनों देशों के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देने में इसके काम ने एक सार्थक बदलाव लाया है।

बिड़ला समूह अमेरिक में सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड निवेशक

आदित्य बिड़ला समूह अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय ग्रीनफील्ड निवेशक है। इसका निवेश 15 अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही धातु, कार्बन ब्लैक और रसायनों के क्षेत्र में 15 राज्यों में इसका परिचालन फैला हुआ है। इसकी अमेरिकी सहायक कंपनी नोवेलिस दुनिया की सबसे बड़ी एल्युमीनियम रीसाइक्लिंग कंपनी है। यह अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यूएसआईएसपीएफ की खासियत

यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और जेसी2 वेंचर्स के संस्थापक और सीईओ जॉन चैम्बर्स ने कहा कि बिरला के कार्यकारी समिति में शामिल होने से यूएसआईएसपीएफ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। यूएसआईएसपीएफ एक गैर-लाभकारी, गैर-सरकारी और गैर-पक्षपाती संगठन है। इसके कार्यालय वाशिंगटन, डीसी और नई दिल्ली में हैं। यूएसआईएसपीएफ के सदस्यों में 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक संयुक्त बाजार मूल्यांकन और 6 मिलियन से अधिक कर्मचारियों वाली वैश्विक कंपनियां शामिल हैं।

आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न पर दिया अपडेट, आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज जारी कर दी है। इसका उपयोग करदाता कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो आय और अन्य रिटर्न दाखिल करने के लिए कर सकते हैं। विभाग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इसकी जानकारी दी है। आयकर विभाग ने पहले केवल आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे, जिससे निर्दिष्ट आय वर्गीकरण वाले करदाताओं के एक सीमित समूह को अपना आईटीआर दाखिल करने में मदद मिली थी।

आयकर विभाग ने एक पर बताया, करदाता ध्यान दें! निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए ITR-2 और ITR-3 की एक्सेल यूटिलिटीज अब लाइव हैं और फाइलिंग के लिए उपलब्ध हैं।₹ आयकर विभाग के ई-फाइलिंग आईटीआर पोर्टल के डाउनलोड सेक्शन में आप आईटीआर-2 और आईटीआर-3 यूटिलिटीज डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड करने के बाद आपको एक विंडोज जिप फाइल मिलेगी, जिससे एक्सेल फाइल प्राप्त की जा सकती है। आयकर विभाग की वेबसाइट के अनुसार, 11 जुलाई से आईटीआर-2 उन व्यक्तियों या एचयूएफ की ओर से दाखिल किया जा सकता है जो आईटीआर-1 (सहज) दाखिल करने के पात्र नहीं हैं।

भारत में खुदरा ऋण का नया दौर, आवास ऋण से मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली। बर्नस्टीन की रिपोर्ट के अनुसार भारत के खुदरा ऋण वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से होम लोन से प्रेरित होगा। भारत में फिलहाल मॉर्गेज का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 11 प्रतिशत है। यह चीन के 30 प्रतिशत और विकसित देशों के 50 प्रतिशत से अधिक के आंकड़े की तुलना में काफी कम है।

भारत में खुदरा ऋण वृद्धि का अगला चरण आवास ऋण से प्रेरित होगा। साथ ही प्रति उधारकर्ता ऋण में भी उल्लेखनीय वृद्धि आने की उम्मीद है। यह जानकारी वैश्विक फर्म बर्नस्टीन की एक ताजा रिपोर्ट में दी गई है।

500 अरब डॉलर तक की कर्ज की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा किफायती आवास क्षेत्र से आने की संभावना है। लगभग 3 प्रतिशत रिटर्न ऑन एसेट (आरओए) देने वाले किफायती आवास ऋण क्षेत्र में 500 अरब डॉलर तक की कर्ज देने की संभावना है। हालांकि, इसमें सफलता उन ऋणदाताओं को ही मिलेगी, जो अपने ऑपरेटिंग मॉडल को देश के विभिन्न राज्यों में लगातार और बड़े स्तर पर लागू कर सकें।

200 मिलियन से अधिक नए उपभोक्ता जुड़े

पिछले एक दशक में क्रेडिट सेक्टर में सबसे बड़ी वैल्यू क्रिएशन उन संस्थाओं द्वारा की गई जो औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक नए ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने में सफल रहीं। इस दौरान ऋण प्रणाली में 200 मिलियन से अधिक नए उपभोक्ता जुड़े और उधारकताओं की संख्या कुल कर्ज की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ी। इसमें कहा गया कि लगभग 60 प्रतिशत भारतीय श्रम शक्ति के पास ऋण तक पहुंच है, विशेष रूप से मॉर्गेज यानी होम लोन के रूप में। मॉर्गेज एक प्रकार का ऋण है जिसका उपयोग घर, जमीन या अन्य अचल संपत्ति खरीदने या उस पर पैसे उधार लेने के लिए किया जाता है।

बिटकॉइन 117000 डॉलर को पार कर ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी अपने नए शिखर को पर पहुंच गया है। गुरुवार को एक क्रिप्टोकरेंसी 118062.60 डॉलर के भाव पर कारोबार करता दिखा और अपने पिछले हाई 117000 डॉलर को पार कर गया। भारतीय रुपये में इसका क्या भाव है, आइए जानते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी अपने नए शिखर को पर पहुंच गया है। गुरुवार को एक क्रिप्टोकरेंसी 118062.60 डॉलर के भाव पर कारोबार करता दिखा और अपने पिछले हाई 117000 डॉलर को पार कर गया। भारतीय रुपये में एक बिटकॉइन की कीमत करोड़ से अधिक करीब 10136974.07 रुपये हो गई है।

क्या है बिटकॉइन की कीमतों में उछाल का कारण

दुनिया की सबसे प्रचलित क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमतों में उछाल निवेशकों के निरंतर आशावाद और बढ़ती संस्थागत रुचि के कारण आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने भी क्रिप्टोकरेंसी की मजबूती में योगदान दिया है। जैसे-जैसे क्रिप्टो बाजार 2025 की दूसरी छमाही में प्रवेश कर रहा है, निवेशकों का ध्यान प्रमुख मैक्रो संकेतकों पर केंद्रित हो रहा है। आगामी अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े और फेड के फैसले क्रिप्टोकरेंसी बाजार में रुझानों को नई दिशा देंगे। फिलहाल, निवेशकों के बीच आशावाद का माहौल है।

रोचक तथ्यों का करंट

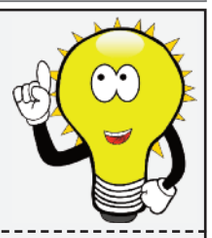

- जो लोग इंटरनेट पर बहुत अधिक समय बिताते हैं वे एक उदास, अकेला और मानसिक रूप से अस्थिर होने की संभावना रखते हैं, एक अध्ययन में पाया गया है।
- आइसलैंड बहुत dipressed है : इसमें दुनिया की सबसे अधिक एंटीडिपेसेंट उपयोग की दर है।
- मध्यम व्यायाम केवल इलाज नहीं कर सकता लेकिन वास्तव में लंबे समय तक अवसाद के एपिसोड को रोकने में मदद करता है।
- सीखा असहायता एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति शक्तिहीनता की भावना से ग्रस्त है, जो एक दर्दनाक घटना से उत्पन्न होता है या सफल होने में लगातार विफलता होती है। यह अवसाद के अंतर्निहित कारणों में से एक माना जाता है।
- पिताजी में प्रसवोत्तर अवसाद बहुत वास्तविक है : लगभग 10% पुरुष एक बच्चे के जन्म के बाद अवसाद के लक्षणों की रिपोर्ट करते हैं।
- यह सांप विषेले सांप नहीं हैं बल्कि यह अपने शिकार पर लिपटकर उसे पूरी तरह जकड़ लेता है और जब तक शिकार जकड़ से मर ना जाए वह उसे पकड़े रहता है।

शेयर बाजार में गिरावट का रुख जारी

सेंसेक्स 689 अंक टूटा, निफ्टी 25200 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 689.81 अंक गिरकर 82,500.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 205.40 अंक गिरकर 25,149.85 अंक पर आ गया। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 689.81 अंक या

0.83 प्रतिशत गिरकर 82,500.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.40 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 25,149.85 पर बंद हुआ।

राशिफल

मेष : आज व्यापार और व्यापार के संदर्भ में अपेक्षित सफलता प्राप्त होना संभव है. आपकी आमदनी में वृद्धि हो सकती है। कहीं से अचानक धन लाभ या उपहार मिल सकता है।

वृष : आज का दिन अनुकूल रहेगा। परिवार में किसी शुभ आयोजन की रूपरेखा बनेगी। विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई में व्यतीत करेंगे, इससे उन्हें सफलता मिलेगी।

मिथुन : बोझिल और आलस्य के कारण आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है. आज आप किसी ऑफिस मीटिंग में हिस्सा लेंगे। विचारों को महत्व मिलेगा।

कर्क : ऑफिस में आप कुछ लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। आप नौकरी बदलने या अतिरिक्त आय के लिए भी विचार कर सकते हैं। आप भाग्यशाली हो सकते हैं।

सिंह : आपको विभिन्न स्तरों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे और यह स्थिति आपको समय पर काम पूरा करने से रोकेगी।

कन्या : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे। प्रेम-संबंध में आपको कोई सुखद सरप्राइज मिलेगा।

तुला : आज आपकी चिंता कम रहेगी और इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा. व्यापार में रुकावटें आएंगी। प्रतिस्पर्धियों से विवाद होने की संभावना है।

वृश्चिक : व्यापार में लाभ के योग हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए समय सही है। रुके हुए काम पूरे होंगे। पुरानी समस्याएं सुलझ सकती हैं। शत्रुओं पर विजय मिलने के योग हैं।

धनु : आज शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। आप सकारात्मक सोच रखेंगे। आप लोगों को प्रभावित करने के लिए अपने संचार कौशल का उपयोग करेंगे।

मकर : आज आपको अपने रिश्तेदारों का आर्थिक सहयोग मिल सकता है. करियर में आपको अपने गुरु का सहयोग मिल सकता है।

कुंभ : आज आप दुविधा में रहेंगे. काम का बोझ अधिक रहेगा। नया काम शुरू न करें। आपका खराब व्यवहार आपको परेशानी में डाल सकता है।

मीन : अचानक लाभ मिलने के योग हैं। अगर आपका पार्टनर भी आपकी मदद करेगा तो धन लाभ हो सकता है। पुराना कर्ज खत्म हो सकता है।

चुटकुले

पुलिस : हम पुलिस हैं, दरवाजा खोलो!
पप्पू : क्यों खोलू?
पुलिस : क्योंकि हमें कुछ बात करनी है।
पप्पू : तुम लोग कितने हो!
पुलिस : हम 3 हैं।
पप्पू : तो आपस में बात कर लो ना,
मेरे पास टाइम पास नहीं है

लड़की - लड़के तो नालायक होते हैं
हम लड़कियां पढ़ाकू होती हैं
लड़का - लड़के भी किसी से कम नहीं होते
लड़की - लड़कियां आगे हैं
लड़का - अच्छा एक सवाल का जवाब बता
लड़की - हाँ पूछो
लड़का - ऐसी क्या चीज है
जो फ्रिज में रखने पर भी गर्म ही रहती है
लड़की - पता नहीं
लड़का - गरम मसाला ?
देखा हम किसी से कम नहीं

12 07 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

एवलिन शर्मा
अभिनेत्री

दिव्यांश

कल्पना पांडे

अनुराग चढ्डा
वरिष्ठ पत्रकार

अंकुश अरोड़ा

रमेश चंद यादव

पवन गौतम

एड. अशोक चौधरी

देवेन्द्र त्यागी

वीरेन्द्र कुमार मुन्ना

सुशील शर्मा

विशाल भारद्वाज

विपिन कुमार डागर

नरेश बातरा

जितेन्द्र कुण्डू

राजेश यादव

रितेश त्यागी

शुभम शर्मा

सुनील कुमार

पोपी

सिद्धांत गौतम

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

पाकिस्तान का नया ड्रामा, एशिया कप-विश्व कप के लिए हॉकी टीम भारत भेजने से पहले करेगा सुरक्षा की समीक्षा

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने एशिया कप हॉकी से पहले नया ड्रामा शुरू कर दिया है। उसका कहना है कि इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप के लिए वह अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने पर फैसला लेने से पहले भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। आर्तकियों की फैक्ट्री माने जाने वाले पाकिस्तान के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने गीदड़भभकी देते हुए कहा है कि अगर राष्ट्रीय टीम को सुरक्षा संबंधी कोई खतरा होगा तो टीम को भारत नहीं भेजा जाएगा।

'पाकिस्तान की सरकार भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगी'

प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशूद ने बेतुका बयान देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की सरकार भारत में सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट है तो ही पाकिस्तान की हॉकी टीम इन टूनार्मेंटों के लिए पड़ोसी मुल्क का दौरा करेगी। मशूद ने कहा, 'सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगी और अगर वह संतुष्ट नहीं होती है, तो वह अपने किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे खतरे में नहीं डालेगी।'

उन्होंने बताया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत की यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो प्रमुख हॉकी आयोजनों के लिए राष्ट्रीय टीमें भेजने हेतु संबंधित मंत्रालयों से सलाह और अनुमति मांगी है। अगले महीने होने वाला एशिया कप, 2026 में होने वाले हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफायर भी होगा। भारत पहले ही क्वालिफाई कर चुका है।

पीएचएफ के महासचिव राणा मुजाहिद ने स्वीकार किया कि अतीत में पाकिस्तान ने भारत में कुछ अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया था। उन्होंने कहा, 'लेकिन अभी स्थिति अलग है, संबंध तनावपूर्ण हैं, इसलिए हम तभी आगे बढ़ सकते हैं जब सरकार हमें अनुमति दे।' उन्होंने बताया कि पीएचएफ सोशल मीडिया पर हॉकी टीम के खिलाड़ियों को दी जा रही धमकियों पर नजर रख रहा है।

27 अगस्त से शुरू होगा एशिया कप

इससे पहले भारतीय खेल मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया था कि वह पाकिस्तान हॉकी टीम को अगले महीने भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से बताया कि वे बहु-राष्ट्रीय टूनार्मेंट में किसी टीम के शामिल होने के विरुद्ध नहीं हैं। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है।

खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा, 'हम भारत में होने वाले बहु-राष्ट्रीय टूनार्मेंट में किसी टीम के शामिल होने खिलाफ नहीं हैं, लेकिन द्विपक्षीय सीरीज अलग बात है। अंतरराष्ट्रीय खेल की मांग होती है कि हम किसी को टूनार्मेंट से बाहर नहीं कर सकते। रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है, लेकिन वे बहु-राष्ट्रीय टूनार्मेंट में खेलते हैं।'

भारतीय रिकर्व टीम का तीरंदाजी विश्व कप में खराब प्रदर्शन, चौथे चरण से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय रिकर्व टीम ने तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में खराब प्रदर्शन किया। भारत के लिए रिकर्व पुरुष और महिला टीमों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया और अपने-अपने शुरूआती दौर के मुकाबले हार गई। भारत ने चौथी वरीयता प्राप्त होने के कारण सीधे प्री क्वार्टर फाइनल (दूसरे दौर) से अपने अभियान की शुरूआत की थी। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन राहुल बनर्जी का महिला रिकर्व टीम के कोच के रूप में कार्यकाल निराशाजनक रहा क्योंकि अंकिता भकत, दीपिका कुमारी और पदार्पण कर रही 15 वर्षीय गाथा खडके की तिकड़ी निचली वरीयता प्राप्त फ्रांस के खिलाफ 3-1 की बढ़त गंवाकर शुरूआती मुकाबले में 3-5 से हार गईं। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। धीरज बोम्मादेवरा, राहुल सिंह और नीरज चौहान की भारतीय तिकड़ी अपने शुरूआती दौर (प्री-क्वार्टर फाइनल) में आठवीं वरीयता प्राप्त ब्राजील से 2-6 से हारकर बाहर हो गई। रिकर्व तीरंदाजों का क्वालीफिकेशन राउंड में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था जिसमें दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय जैसे अनुभवी तीरंदाजों के बावजूद बुधवार को कोई भी शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाया था। रिकर्व तीरंदाजों की उम्मीदें अब मिश्रित टीम और व्यक्तिगत स्पधाओं पर टिकी हैं। मिश्रित टीम को नौवीं वरीयता मिली है।

सिनियाकोवा-वरबीक ने विंबलडन मिश्रित युगल खिताब जीता, फाइनल में स्टेफनी-सैलिसबरी को हराया

नई दिल्ली। महिला युगल की दिग्गज खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने सेम वरबीक के साथ मिलकर लुइसा स्टेफनी और जो सैलिसबरी को 7-6(3), 7-6(3) से हराकर विंबलडन टेनिस टूनार्मेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीता। चेक गणराज्य की 10 बार की ग्रैंड स्लैम महिला युगल चैंपियन सिनियाकोवा ने गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल में पहले मैच प्वाइंट पर ही करारा शॉट जमाकर खिताब अपनी झोली में डाला।

वरबीक का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने अपने पिता के लिए जन्मदिन का गीत गाकर दर्शकों के साथ जश्न मनाया। सिनियाकोवा दो बार की ओलंपिक चैंपियन भी हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में टॉमस मचाक के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2021 के तोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था। सिनियाकोवा ने जो 10 महिला युगल खिताब जीते हैं उनमें से सात क्रेजिकोवा के साथ, दो टेलर टाउनसेंड के साथ और एक पिछले साल के फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ के साथ हासिल किए।

महिला एकल में एनिसिमोवा ने रचा इतिहास

इससे पहले 13वीं वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा ने विम्बलडन में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर उलटफेर करते हुए अपने करियर में पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश किया। एनिसिमोवा ने बर्नआउट के कारण एक साल पहले टेनिस से ब्रेक लिया था। न्यू जर्सी में जन्मी और फ्लोरिडा में पली-बढ़ी अनिसिमोवा 17 साल की उम्र में 2019 फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल में हार गई थीं। मई 2023 में उन्होंने यह कहते हुए टूर से ब्रेक ले लिया कि वह लगभग एक साल से मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रही हैं। चौथे मैच प्वाइंट पर फोरहैंड विनर के साथ दो घंटे 36 मिनट के मुकाबले को समाप्त करने के बाद एनिसिमोवा ने कहा, 'यह अभी वास्तविक नहीं लग रहा है। मुझे नहीं पता कि मैंने यह जीत कैसे हासिल की।' अब ट्रॉफी के लिए शनिवार को उनका सामना इगा स्वियातेक से होगा। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्वियातेक ने बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराकर पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में जगह बनाई। इस तरह लगातार आठवीं बार विम्बलडन को नई महिला चैंपियन मिलेगी। सबालेंका अक्तूबर में स्वियातेक को हटाकर शीर्ष पर पहुंची थी। सबालेंका इस हार से सेरेना विलियम्स के बाद लगातार चार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से चूक गईं। 23 साल की एनिसिमोवा का विम्बलडन खत्म होने के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना तय है, चाहे खिताबी मुकाबले का नतीजा कुछ भी रहे।

जो रूट टेस्ट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने, द्रविड़-स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा

इंग्लैंड। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतक लगाया। रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। रूट ने 192 गेंदों पर शतक पूरा किया। वह पहले दिन 99 रन बनाकर नाबाद रहे थे और दूसरे दिन की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर रूट सैकड़ा पूरा करने में सफल रहे।

लॉर्ड्स पर लगाया लगातार तीसरा शतक

रूट का लॉर्ड्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है। वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं। उनसे पहले जैक हॉब्स और माइकल वॉन ऐसा कर चुके हैं। रूट ने लॉर्ड्स में पिछली दो पारियों में 143 और 103 रन का स्कोर बनाया था और अब फिर उन्होंने 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। रूट अब तक लॉर्ड्स मैदान पर कुल आठ शतक लगा चुके हैं।

बुमराह ने रूट को किया बोल्ड

रूट भारत के खिलाफ 60 पारियों में 11 शतक लगा चुके हैं। रूट ने इस मामले में स्टीव स्मिथ की बराबरी कर ली है जिन्होंने भारत के खिलाफ 46 पारियों में इतने ही शतक लगाए हैं। रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए। रूट ने तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन भारत के खिलाफ 3000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए थे। रूट उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए थे जिन्होंने किसी एक टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 रन बनाए हैं। रूट इसके साथ ही डॉन ब्रैडमैन और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए थे। ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 5028 रन बनाए हैं। ब्रैडमैन, जैक हॉब्स, सचिन, एलेन बॉर्डर, स्टीव स्मिथ, डेविड गोवर, गैरी सोबर्स और स्टीव वॉ उन बल्लेबाजों में शामिल हैं जिन्होंने किसी टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।

एनिसिमोवा ने सेमीफाइनल में नंबर-1 सबालेंका को हराकर किया उलटफेर, फाइनल में स्वियातेक से होगी टक्कर

अमेरिका। अमेरिका की 23 साल की अमांडा एनिसिमोवा और पोलैंड की इगा स्वियातेक के बीच विंबलडन टेनिस का महिला एकल का फाइनल खेला जाएगा। 30 डिग्री तापमान के बीच एनिसिमोवा ने दुनिया की नंबर-एक बेलारूस की एरिना सबालेंका को दो घंटे 36 मिनट में 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के फाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक ने बेलिंडा बेनचिच को एक घंटा 12 मिनट में 6-2, 6-0 से हराया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्वियातेक पहली बार विंबलडन के फाइनल में पहुंची हैं। क्लेकोर्ट की विशेषज्ञ इससे पहले कभी ऑल इंग्लैंड क्लब में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ी थीं। इगा ने पहले सेट में दो बार और दूसरे सेट में 3 बार बेलिंडा की सर्विस तोड़ी।

इगा स्वियातेक ने बेनचिच पर जीत के बाद कहा, 'टेनिस मुझे लगातार चौंकाता रहता है। मुझे लगता था कि मैंने सब कुछ झेल लिया है। हालांकि, मैं युवा हूं। मुझे लगता था कि मैंने कोर्ट पर सब कुछ अनुभव कर लिया है, लेकिन मुझे घास पर अच्छा खेलने का अनुभव नहीं था। ऐसा पहली बार हुआ है।' किसी मेजर फाइनल में स्वियातेक का रिकॉर्ड 5-0 का है। यानी अब तक वह जितने भी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची हैं, जीती हैं। इनमें फ्रेंच ओपन के क्ले कोर्ट पर चार फाइनल, यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर एक फाइनल शामिल हैं। हालांकि, विंबलडन में उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। इससे पहले वह विंबलडन में सिर्फ क्वार्टर फाइनल तक पहुंच पाईं थीं। स्वियातेक को कहीं भी खिताब जीते हुए एक साल से ज्यादा बीत चुका है। पिछले साल अक्तूबर में पोलैंड की 24 वर्षीय स्वियातेक ने सबालेंका को शीर्ष रैंकिंग गंवा दी थी। इस टूनार्मेंट में उनकी वरीयता आठवीं है। शनिवार को महिला एकल का फाइनल मैच खेला जाएगा। यह लगातार आठवीं बार होगा जब विंबलडन को कोई नई महिला चैंपियन मिलेगी।

13वीं वरीयता प्राप्त एनिसिमोवा का जन्म न्यू जर्सी में हुआ और वह फ्लोरिडा में पली-बढ़ीं। यह उनका किसी ग्रैंडस्लैम टूनार्मेंट में दूसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले वह 17 साल की उम्र में 2019 फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल मुकाबले में हार गई थीं। सबालेंका के खिलाफ दो घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले को जीतने के बाद एनिसिमोवा ने कहा, 'अभी यह सच नहीं लग रहा है। मैं कोर्ट पर काफी मेहनत कर रही थी। मुझे नहीं पता कि मैंने मैच कैसे जीत लिया।' एनिसिमोवा ने मई 2023 में यह कहते हुए प्रोफेशनल टेनिस से ब्रेक लिया था कि वह लगभग एक साल से मानसिक स्वास्थ्य की परेशानी से जूझ रही हैं। अब 23 साल की हो चुकीं एनिसिमोवा पहले की तरह ही अच्छा खेल रही हैं। उनके तीखे ग्राउंडस्ट्रोक, खासकर बैकहैंड साइड पर, किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह मजबूत और सहज हैं। खिताबी मुकाबले में चाहे जो भी हो, अगले सप्ताह उनका पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंचना तय है। एनिसिमोवा ने कहा, 'अगर आप मुझसे टूनार्मेंट की शुरूआत में कहते कि मैं विंबलडन के फाइनल में पहुंच जाऊंगी, तो मुझे यकीन नहीं होता। कम से कम इतनी जल्दी तो नहीं, क्योंकि मुझे वापसी किए हुए एक साल हो गया है और इस मुकाम पर पहुंचना आसान नहीं है। फाइनल में पहुंचना, सच में एक अविश्वसनीय अहसास है।'

धोनी को देखकर कठिन समय में संयम बनाए रखना सीखती थीं दीप्ति, बोलीं- उनसे दबाव झेलना सीखा

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह धोनी के वीडियो देखकर कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखना सीखती थीं। कैप्टन कूल के नाम से मशहूर धोनी को दबाव संभालने के मामले में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। दीप्ति ने हाल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए। वह झूलन गोस्वामी (355) के बाद ऐसे करने वाली दूसरी भारतीय गेंदबाज हैं।

दीप्ति ने अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी और निचले क्रम में शानदार बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित किया है। दबाव में धैर्य बनाए रखने की क्षमता दीप्ति को अलग स्तर का खिलाड़ी बनाती है। दीप्ति पिछले कुछ वर्षों में टीम की सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में से एक रही हैं। उन्हें अक्सर गेंद से महत्वपूर्ण सफलता दिलाने या बल्ले से टीम को मुश्किल हालात से निकालने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

दीप्ति ने कहा, मैंने एमएस धोनी सर से दबाव को झेलना सीखा है। जब भी उनका कोई मैच होता था मैं टीवी से चिपकी रहती थी और मैच देखती थी। ऐसा कभी नहीं लगा कि वह किसी भी पल दबाव में हैं, वह शांति से स्थिति को संभालते थे और अंत में मैच जीतते थे। मैंने भी अपने खेल में यही गुण विकसित किया है। मैं चीजों को सरल रखती हूं, उदाहरण के लिए हर मैच में जब भी मुझे गेंदबाजी करने का मौका मिलता है, चाहे वह पावरप्ले में हो या आखिरी ओवरों में, मैं उस काम को बहुत शांतचित होकर करती हूं। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और जब भी कोई मुश्किल स्थिति आती है, टीम प्रबंधन को लगता है कि हमारे पास दीप्ति है और वह काम पूरा सकती है।

उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर 300 विकेट पूरे करके बहुत अच्छा महसूस हो रहा है और यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत गर्व का क्षण है। टीम ने भी इस उपलब्धि के लिए मेरी बहुत तारीफ की है। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तो मैंने इन बातों पर ध्यान नहीं दिया था। तब मेरा एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए खेलना था। मैंने उसी के अनुसार कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अभ्यास किया। मैं रिकॉर्ड और अन्य चीजों के बारे में नहीं सोच रही थी। यह कभी मेरे दिमाग में नहीं था लेकिन जब हम किसी उपलब्धि को हासिल करते है तो अच्छा लगता है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने खामदामोवा को दी मात, हरिका अंतिम-32 में पहुंचीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने फिडे महिला विश्व शतरंज कप में शानदार प्रदर्शन किया। हम्पी ने उज्बेकिस्तान की अफरुजा खामदामोवा के साथ ड्रॉ खेलकर दूसरे दौर में अपना मिनी मैच 1.5-0.5 से जीत लिया। वहीं, डी हरिका ने हमवतन पीवी नंदीधा को हराकर अंतिम-32 में प्रवेश कर लिया। भारत की एक अन्य खिलाड़ी आर वैशाली ने भी अगले दौर में जगह बना ली है।

वैशाली ने कनाडा की ओउलेट मैली-जेड को हरा दिया, जबकि एक अन्य भारतीय दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया की केसरिया मगेलाद्जे को शिकस्त दी। के प्रियंका ने अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और पोलैंड की क्लाउडिया कुलोन के साथ लगातार दो बाजी ड्रॉ खेलकर टाईब्रेकर में पहुंच गईं। हालांकि वंतिका अग्रवाल के लिए दिन थोड़ा निराशाजनक रहा जिन्होंने पहले दौर के पहले गेम में यूक्रेन की पूर्व विश्व चैंपियन अन्ना उशेनिना को आसानी से हरा दिया था। लेकिन यूक्रेन की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया और शुक्रवार को होने वाले टाईब्रेकर में दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा।

दो विकेट लेने वाले नीतीश रेड्डी ने इंग्लैंड दौरे के लिए कमिंस से मांगी थी सलाह, मिला था यह जवाब

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी लॉर्ड्स टेस्ट में नीतीश रेड्डी ने एक ओवर में दो विकेट लेकर चौंका दिया। हर कोई जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज से विकेटों का खाता खोलने की उम्मीद लगाए बैठा था, लेकिन भारत को शुरूआती दो सफलता नीतीश ने दिलाई। उन्होंने एक ही ओवर में जैक क्राउली और बेन डकेट को पवेलियन भेजा। नीतीश को बैटिंग ऑलराउंडर माना जाता है और ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर उन्होंने शतक भी लगाया था, लेकिन इंग्लैंड में एजबेस्टन टेस्ट में उनकी गेंदबाजी उतनी अच्छी नहीं रही थी। अब लॉर्ड्स में उन्होंने खुद को खिलाए जाने को सही साबित किया है। हालांकि, नीतीश का मानना है कि वह गेंदबाजी की तैयारी पिछले काफी समय से कर रहे थे और लाइन लेंथ बनाए रखने पर ध्यान दे रहे थे। इंग्लैंड में किस प्रकार की गेंदबाजी करनी है, इसको लेकर उन्होंने आईपीएल के दौरान पैट कमिंस से सलाह भी मांगी थी। इसका खुलासा खुद नीतीश ने किया है। नीतीश ने टेस्ट क्रिकेटर के रूप में इंग्लैंड के अपने पहले दौरे की बेहतर तैयारी के लिए आईपीएल 2025 का इस्तेमाल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नीतीश गेंद के साथ उतने अच्छे नहीं दिखे थे। वह ये जानते थे कि ऑलराउंडर के तौर पर अगर उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखना है तो इंग्लैंड दौरे पर चीजों को बदलना होगा। सीरीज से पहले नीतीश ने सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस से इंग्लैंड की परिस्थितियों को लेकर सलाह मांगी थी। कमिंस ने इसके बाद रेड्डी को बताया था कि कैसे इंग्लैंड में मौसम बड़ी भूमिका निभाता है।

नीतीश ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'मैंने कमिंस से पूछा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्या अंतर है क्योंकि यह मेरा पहला दौरा है। इस पर उन्होंने कहा कि कुछ ज्यादा बदलाव नहीं हैं, लेकिन आप मौसम पर नजर बनाए रखना और सिर्फ अपना नैसर्गिक खेल खेलना। आपको पता चल जाएगा। मुझे पता था कि मैं भारत-ए के साथ इंग्लैंड में दो मैच खेलने जा रहा हूं, इसलिए उन्होंने कहा कि जितना हो सके उतना सीखने की कोशिश करो और आप खुद ही समझ जाओगे। नीतीश ने कहा कि उन्होंने भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से भी विस्तृत बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मोर्ने से भी मेरी बात हुई है। उन्होंने कहा कि वह मेरी गेंदबाजी में अच्छी प्रगति देख रहे हैं और मैं वास्तव में उसके साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं।' नीतीश ने यह भी कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद खुद से वादा किया था कि वह अपनी गेंदबाजी में सुधार करेंगे।

नीतीश ने ऑस्ट्रेलिया (2024-25) में पांच मैचों की सीरीज में 44 ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले उन्होंने आईपीएल में शायद ही गेंदबाजी की। इंग्लैंड दौरे पर भी पहले टेस्ट में नीतीश पर शार्दुल ठाकुर को तरजीह दी गई थी, लेकिन वहां टीम इंडिया को हार मिली। इसके बाद नीतीश को खिलाने का फैसला लिया गया और तीसरे टेस्ट के पहले दिन उन्होंने अपने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों को आउट कर खुद को साबित किया।

सुनियोजित करियर निर्माण की ओर एक सशक्त पहल

सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में भव्य करियर दिशा-संधान कार्यक्रम का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। करियर में सफलता केवल इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि सही योजना, मार्गदर्शन और जानकारी से संभव होती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में शुक्रवार को एक भव्य करियर दिशा-संधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गाज़ियाबाद-एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सीए (डॉ.) जी.एस. ग्रेवाल एवं अन्य माननीय अतिथिगण चितरंजन चटोपाध्याय (मेम्बर काउंसिल क्फटअक), सीए विभोर जिंदल एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की भी उपस्थिति रही। विद्यालय के 30 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत न केवल विभिन्न निजी विद्यालयों अपितु सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन सेवाभारती सेवाधाम आदि संस्थानों के विद्यार्थी भी लाभान्वित हुए। विशिष्ट अतिथि सीए (डॉ.) जी.एस. ग्रेवाल ने शिक्षकों एवं छात्रों के प्रयास और उनके समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह करियर दिशा-संधान कार्यक्रम निःसंदेह छात्रों को उनके भविष्य की दिशा निर्धारित करने में अत्यंत लाभप्रद सिद्ध होगा।

नोएडा पुलिस की 3 चोरों से मुठभेड़ 100 से ज्यादा चोरियां की

होंडा सिटी कार, आधा डॅ ज्वैलरी, 2 लाख कैश मिला

नोएडा करंट क्राइम । नोएडा पुलिस ने 100 से अधिक चोरी की घटना कर चुके तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। इनके नाम संजीव कुमार यादव उर्फ फौजी , अमन बग्गा और सर्वपाल सिंह है। गैंग का सरगना संजीव कुमार है। इस पर 31 मुकदमा दर्ज है। तीनों को मिलाकर दिल्ली एनसीआर के थानों में 100 से ज्यादा मुकदमे है। इनके पास से एक घड़ी (एपल), आधा किलो पीली धातु, 2 लाख रुपए कैश, होंडा सिटी कार और अन्य सामान मिला है। ये पॉश सोसाइटी और सेक्टर में बंद मकानों का ताला तोड़कर चोरी करते है।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि गुरुवार रात को सेक्टर 35 की तरफ पुलिस चेकिंग कर रही थी। अंडरपास की तरफ से एक होंडा सिटी कार आती दिखी। रुकने का इशारा करते ही कार सवार तीनों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस पार्टी की सरकारी गाडी में गोली जाकर लगी। कार सवार बदमाशों ने सेक्टर 33 के पीछे गन्दे नाले वाली सड़क पर कार को तेजी से दौडा दिया। पुलिस पार्टी ने करीब एक किमी तक पीछा किया। बदमाशों की कार डिस्बैलेंस होकर नाले की दीवार से टकराकर बंद हो गई।

अपने को घिरता हुआ देख कार से नीचे उतरकर दोबारा पुलिस पर फायर किया। पुलिस नम फायर किया जिसमें एक बदमाश संजीव कुमार उर्फ फौजी को गोली लगी। इसकी उम्र करीब 29 साल है। कांबिंग के दौरान अमन बग्गा और सर्वपाल को गिरफ्तार किया। सर्वपाल की उम्र करीब 54 साल है। पूछताछ करने के बाद सामने आया कि इन तीनों ने मिलकर ताबड़तोड़ चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है।

हापुड़ में नाबालिग से 6 माह तक दुष्कर्म का आरोप

युवक खेत में ले जाकर घटना को देता था अंजाम

हापुड़ । हापुड़ देहात थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ लगातार 6 महीने तक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

6 माह तक किया शोषण

दरअसल, एक गांव निवासी पीड़िता ने पुलिस से शिकायत करते हुए कहा कि आरोपी सचिन सैनी गांव का ही रहने वाला है। वह पीड़िता को एक व्यक्ति के खेत में ले जाकर दुष्कर्म करता था। पिछले 6 महीने से वह लगातार उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था।

पीड़िता डर की वजह से किसी को कुछ नहीं बता पा रही थी। उसकी तबीयत अचानक खराब होने पर परिजन परेशान हो गए। काफी पूछने पर भी पीड़िता ने पहले कुछ नहीं बताया। बाद में भाभी और बहनों से बातचीत में उसने पूरी घटना बताई। जिसके बाद पीड़िता परिवार के साथ थाने पहुंची।

पीड़िता के भाई ने हापुड़ देहात थाना में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराया गया है। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को गाजियाबाद में पुख्ता

इंतजाम: 85 किमी मार्ग पर 2500 पुलिसकर्मी तैनात

गाजियाबाद करंट क्राइम। सावन महीने में शुरू हुई कांवड़ यात्रा के लिए गाजियाबाद प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। प्रशासन ने 85 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं।

मेरठ रोड पर स्थापित कंट्रोल रूम से पूरे मार्ग की निगरानी की जा रही है। मार्ग पर 1500 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनकी निगरानी 24 घंटे की जा रही है। कंट्रोल रूम में मेडिकल टीम भी तैनात है।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए 2500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। हर 500 से 700 मीटर की दूरी पर एक सब-इंस्पेक्टर मौजूद रहेगा। महिला पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड्स को भी तैनात किया गया है।

कांवड़ियों की सहायता के लिए 24 घंटे एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी। मार्ग पर मेडिकल सहायता केंद्र और मोबाइल हेल्थ टीम की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के लिए विश्राम शिविर, भोजन, पेयजल और मोबाइल शौचालय की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सभी विभाग अलर्ट मोड में हैं। अधिकारी स्वयं मैदान में व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो।

बीमा क्लेम के नाम पर साढ़े 3 लाख की ठगी

फर्जी कॉल सेंटर चलाकर करते थे धोखाधड़ी

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में थाना इंदिरापुरम पुलिस और ट्रांस हिंडन स्वाट टीम ने बीमा क्लेम के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 4 लाख रुपये नकद, 3 मोबाइल, एक मैजिक पेन और 4 फर्जी पहचान पत्र बरामद हुए हैं।

आरोपी खुद को इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बताकर लोगों को कॉल करते थे। वे बीमा क्लेम दिलाने का लालच देकर पैसे वसूलते थे। आरोपी फर्जी कॉल सेंटर चलाते थे और जाली आईडी का इस्तेमाल करते थे।

मामला तब सामने आया जब वसुंधरा के एक व्यक्ति ने शिकायत की। उससे बीमा क्लेम के नाम पर साढ़े तीन लाख रुपये ठगे गए थे। पुलिस ने नंबर और अकाउंट की जांच की तो पूरा मामला उजागर हो गया।

पकड़े गए आरोपियों में दिल्ली निवासी बलवंत सिंह है, जिस पर पहले भी केस दर्ज हैं। दूसरा आरोपी दिल्ली के गोविंदपुरी का अराफ हसन है। दोनों मैजिक पेन और डिजिटल तरीकों से नकली सिग्नेचर और फर्जी दस्तावेज तैयार करते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

दिल्ली के दो आरोपी गिरफ्तार

'मेरा युवा भारत गाजियाबाद' ने विश्व जनसंख्या

दिवस पर संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद करंट क्राइम। मेरा युवा भारत गाजियाबाद, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी एवं एक पेड़ माँ के नाम विषयक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को डायमंड पब्लिक स्कूल, टीला शाहबाजपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या गरिमा शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत, गाजियाबाद के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार ने विश्व जनसंख्या दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरूआत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा वर्ष 1989 में की गई थी। यह दिन 11 जुलाई 1987 को विश्व की जनसंख्या पाँच अरब पार होने की घटना से प्रेरित होकर मनाया जाता है। आज यह संख्या साढ़े आठ अरब के आसपास है। उन्होंने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या के प्रति जनजागरूकता फैलाना तथा उससे उत्पन्न समस्याओं जैसे झ्र संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, पर्यावरणीय असंतुलन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की चुनौतियों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना है।यह दिन केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं बल्कि देश और विश्व के भविष्य की दिशा तय करने की दिशा मे एक संवेदनशील क्षण है यह हमें एक ऐसे दौर की ओर ले जा रहा है जहां नीतियों, योजनाओं, जन भागीदारी और सामाजिक चेतना के समुचित समावेश के बिना आगे बढ़ना संभव नहीं। प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज विशेषकर लड़कियों की शिक्षा इस जनसंख्या संकट से निपटने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।कार्यक्रम में छात्राओं विधिता और सिमरन ने ₹बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण संरक्षण₹ पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके साथ ही छात्राओं ने सामूहिक गीत और नाटक के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के समापन पर भाषण, सामूहिक गीत एवं नाटक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर शिक्षिकाएँ सीमा रानी, अंजली दिवाकर, चेतना एवं अंकित सहित लगभग 140 छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के आयोजन में पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तालिब ने विशेष योगदान दिया।

3 करोड़ की घड़ी चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

14 लोगों ने शटर तोड़कर दिया था चोरी को अंजाम

11 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद करंट क्राइम । गाजियाबाद की इंदिरापुरम पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने 11 जुलाई 2024 को घड़ियों के शोरूम में चोरी करने वाले 50 हजार के इनामिया दीपक को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है।

इसके साथी सिराज को भी पुलिस की गोली लगी है तो वहीं कारण को पुलिस ने दौड़कर पकड़ा है।दीपक और सिराज को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इनके कब्जे तमंचा और चोरी की गई महंगी घड़ी बरामद हुई है।

गिरफ्तार आरोपियों में दीपक कुमार (37), सिराज मियां (47), करन कुमार (26) बिहार के रहने वाले हैं। पूछताछ में इन अपराधियों ने कबूल किया कि वे संगठित गिरोह के तौर पर बड़े शोरूमों के शटर तोड़कर घड़ियों और मोबाइल की चोरी करते हैं और रकम आपस में बांट लेते है

गिरफ्तार मुख्य आरोपी दीपक कुमार के खिलाफ थाना इंदिरापुरम में चोरी का केस दर्ज है और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वहीं सिराज मियां के खिलाफ भी चोरी का केस दर्ज है। 11 जुलाई 2024 की रात दीपक ने अपने साथियों के साथ दिया था चोरी की घटना को अंजाम 11 अगस्त 2024 की देर रात दीपक ने अपने 14 साथियों के साथ मिलकर ब्रांडेड घड़ियों के शोरूम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। शोरूम मालिक के अनुसार दुकान में लगभग 3 करोड़ से ज्यादा की रकम की घड़ियां चोरी हुई थी।रल्ड रविंद्र गौतम ने बताया कि दीपक ने अपने साथियों के साथ घड़ियों के शोरूम में एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया था।

भारतीय किसान यूनियन (सर छोटू राम) के नाम से संगठन का हुआ गठन

किसानों और मजदूरों की समस्याओं का किया जायेगा समाधान

गाजियाबाद करंट क्राइम। किसान, मजदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न समस्याएं पैदा होती रहती हैं और प्रशासनिक स्तर पर किसान एवं मजदूरों का उत्पीड़न होता रहता है। किसान एवं मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त संगठन भारतीय किसान यूनियन (सर छोटू राम) के नाम से एक संगठन बनाया गया है जिसका उद्देश्य खास तौर से ग्रामीण इलाकों में किसानों की कम होती कृषि भूमि, फसलों का उचित मूल्य दिलाना, शिक्षा के स्तर का विकास करना एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरीकरण का तेजी से विस्तार भविष्य में किसानों एवं मजदूरों के परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों को मजबूती से सामना करना है। समाज के हर वर्ग को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना समझ में भाईचारा बनाए रखना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

बैठक में राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व आनंद चौधरी को दिया गया। मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता का दायित्व कुंवर अयूब अली एडवोकेट संभालेंगे और मुख्य राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व अजय प्रमुख संभालेंगे। राष्ट्रीय मुख्य कोषाध्यक्ष का दायित्व सोनवीर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व धर्मेंद्र चौधरी को दिया गया। संगठन को ग्राम स्तर ब्लॉक तहसील जिला स्तर मंडल स्तर प्रदेश स्तर का गठन यथाशीघ्र किया जाएगा। इस बैठक में राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सरोहा, राष्ट्रीय जाट महासभा के विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भूपेंद्र एडवोकेट, शहजाद चौधरी व्यापार मंडल अध्यक्ष मुरादनगर, संदीप चौधरी भारतीय किसान यूनियन संघर्ष के अध्यक्ष, असलम पठान मुरादनगर, संजय त्यागी जनहित पार्टी प्रगतिशील के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉक्टर राजपाल तोमर मुरादनगर, हाजी आसिफ पूर्व पार्षद भारतीय किसान यूनियन भानू के महामंत्री, चौधरी कर्मवीर हसनपुर, इंद्रपाल सैदपुर, उमेश चौधरी दुहाई, विशन चौधरी ढिढार, मांगेराम ढिढार, उमेद कजमपुर, महेंद्र व विजेंद्र सिंह नगला मोहनपुर, लोकेंद्र सिंह खंजरपुर, मोहित चौधरी युवा प्रदेश अध्यक्ष, प्रितपाल खोसला प्रदेश अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना, इस्तकार प्रधान कलछीना, हाजी हुकूमत अली हावल, एजाज खान कुशलिया, रणवीर प्रधान अटौर अध्यक्ष प्रधान संगठन, आजाद शमशेर, बबलू अमराला, मनोज पार्षद रहिसपुर, संजय खुटैल प्रदेश प्रभारी हिंदुस्तान आवाम मोर्चा, आशु मलिक मुरादनगर, संदीप चौधरी विक्रांत चौधरी विश्वजीत चौधरी देवेंद्र सिंह सुधीर चौधरी गुड्डू हरेंद्र सभी भिकनपुर,विपिन चौधरी रहिसपुर, चौ सोहनवीर खुटैल रहिसपुर,राजू पार्षद रहिसपुर,तरूण रावत,वीरपाल अटौर,मनोज प्रधान काजमपुर,सन्तवीर गुरूवचन रहिसपुर आदि सैकड़ो की संख्या में किसानों की उपस्थिति दर्ज रही।

कंबोडिया में सरकार को मिलेगा नागरिकता रद्द करने का अधिकार, संसद ने पारित किया संविधान संशोधन

फ्नोम पेन्ह । 125 सदस्यीय नेशनल असेंबली ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 33 में संशोधन को मंजूरी दी। इस बदलाव के बाद सरकार अब ऐसा कानून बना सकेगी जो पहली बार किसी व्यक्ति की नागरिकता को रद्द करने की अनुमति देगा।

कंबोडिया की संसद ने शुक्रवार को एक संविधान संशोधन को पारित किया, जो सरकार को उन लोगों की नागरिकता रद्द करने का अधिकार देगा जो विदेशी ताकतों से मिलकर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के दोषी पाए जाएंगे

प्रधानमंत्री हुन मानेट के समर्थकों की ओर से लाए गए इस कानून को आलोचकों ने सरकार के विरोधियों को दबाने और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने की कोशिश बताया है। यह कानून उन लोगों पर भी लागू होगा जो जन्म से कंबोडियाई नागरिक हैं, दोहरी नागरिकता रखते हैं या जिन्हें विदेशी होते हुए भी कंबोडियाई नागरिकता दी गई है। सरकार के कुछ आलोचक और विपक्षी नेता दोहरी नागरिकता वाले माने जाते हैं।

कंबोडिया के न्याय मंत्री कोएउत रिथ ने कहा कि सरकार जल्द ही ऐसा कानून तैयार करेगी, जिससे देशद्रोह या विदेशी ताकतों से सांठगांठ करने वाले किसी भी व्यक्ति की नागरिकता रद्द की जा सकेगी। उन्होंने दावा किया कि कुछ कंबोडियाई नागरिकों ने एक अन्य देश के साथ मिलकर अपने देश को नुकसान पहुंचाया है। उनकी यह टिप्पणी 28 मई को कंबोडिया और थाईलैंड की सेनाओं के बीच सीमा विवाद में हुई झड़प की ओर इशारा करती है, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक मारा गया था।

थाईलैंड की सांविधानिक अदालत ने हाल ही में प्रदानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को एक ऑडियो लीक को लेकर निलंबित कर दिया, जिसमें उन्हें कंबोडियाई सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन के साथ सीमा विवाद पर चर्चा करते सुना गया था। हुन सेन प्रधानमंत्री हुन मानेट के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री हैं। इस लीक कॉल के बाद थाईलैंड में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई और प्रधानमंत्री शिनावात्रा की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे।

पिछले महीने कंबोडिया ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से सीमा विवाद को सुलझाने की अपील की थी, जिसमें कई प्राचीन मंदिर स्थल शामिल हैं। संविधान संशोधन उस समय आया, जब हुन सेन ने न्याय मंत्रालय से सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ कानूनी विकल्प तलाशने को कहा। हुन सेन और हुन मानेट दोनों ने इस बदलाव को आवश्यक बताया और कहा कि दुनिया के कई देशों, जिनमें अमेरिका भी शामिल है।

कनाडा के पीएम कार्नी को देना होगा जवाब, कपिल के कैफे पर हमला हालात बिगड़ने के बहुत बुरे संकेत

ओटावा । कनाडा के सरे शहर में कॉमेडियन कपिल शर्मा के नए खुले कैफे 'कैप्स कैफे' पर गोलियां चलीं। इस गोलीकांड को लेकर कनाडा के साथ-साथ भारत में भी चर्चा तेज है। इस हमले की जिम्मेदारी भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक हरजीत सिंह लाडी ने ली है। हरजीत, बब्बर खालसा इंटरनेशनल से भी जुड़ा हुआ है। जो कनाडा और भारत दोनों में आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल है। कैफे पर कई राउंड गोलियां चली गनीमत रही कि इस हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ।

कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन की प्रतिक्रिया इस हमले के बाद कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने इसे कनाडा में हिंसा बढ़ने का बुरा संकेत कहा। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ एक एकल घटना नहीं बल्कि पिछले वक्त में चरमपंथी हिंसा का अगला चरण है। उन्होंने कैनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के सामने यह पहला बड़ा सुरक्षा परीक्षण बताया, क्योंकि अब तक सरकार ने ऐसे हमलों को नियंत्रित नहीं किया।

बोर्डमैन ने कहा कि पिछले कुछ समय में कनाडा में गिरजाघरों, यहूदी स्कूलों और मंदिरों पर हमला हुआ है, साथ ही खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा कई हिंसात्मक घटनाएं भी हुईं। उन्होंने बताया कि जब चरमपंथी इस तरह खुलेआम सोशल मीडिया पर अपनी जिम्मेदारी लेते हैं, तो यह आतंकवाद की एक नई लहर दिखाता है बोर्डमैन ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस और सरकार तेजी से कार्रवाई नहीं करेंगे, तो यह हिंसा बढ़ती जाएगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ देरी या जिम्मेदारी टालने की स्थिति में हिंसा और बढ़ेगी। उन्होंने आगे बताया कि कनाडा में क्राइम रिपोर्टिंग अमेरिकी तरीके से खुलकर नहीं होती, बल्कि मामला डिटेंट के बाद ही सार्वजनिक किया जाता है। लेकिन अब मार्क कार्नी की भूमिका अहम होगी कि क्या वे जल्दी गिरफ्तारी और कड़ी सजा की कार्रवाई करेंगे।

ट्रंप प्रशासन ने विदेश विभाग में 1,300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन । अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है।

विदेश मंत्रालय आज 1,300 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जिन कर्मचारियों को हटाया जा रहा है, उनमें 1,107 लोकसेवक और 246 विदेशी सेवा अधिकारी शामिल हैं, जो अमेरिका में घरेलू पदों पर तैनात थे। इन अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से ईमेल के जरिए बर्खास्तगी के नोटिस भेजे जा रहे हैं। विदेश सेवा के अधिकारियों को तत्काल 120 दिनों के लिए प्रशासनिक अवकाश पर भेजा जाएगा, जिसके बाद उनकी सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी। वहीं, नागरिक कर्मचारियों के लिए सेवा समाप्ति की अवधि 60 दिन तय की गई है। मंत्रालय के आंतरिक नोटिस में कहा गया है, विभागीय पुनर्गठन के तहत घरेलू संचालन को राजनयिक प्राथमिकताओं पर फोकस करते हुए सुव्यवस्थित किया जा रहा है। कर्मचारियों की छंटनी उन विभागों में की जा रही है जो

जेल में बंद रहे फलस्तीन समर्थक ने ट्रंप सरकार से मांगे 1.71 अरब

न्यूयॉर्क । अमेरिका में फलस्तीन कार्यकर्ता महमूद खलील ने अपनी गिरफ्तारी को लेकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ 20 मिलियन डॉलर (करीब 1.71 अरब रुपये से अधिक) का दावा ठोक दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें गलत तरीके से जेल में रखा गया, झूठे आरोप लगाए गए और उन्हें बदनाम कर चुप कराने की कोशिश की गई, क्योंकि वे अमेरिका में फलस्तीन के समर्थन में आवाज उठा रहे थे। हालांकि खलील के इस दावे के बाद होमलैंड सिक्योरिटी ने इसे बिलकुल गलत बताया। साथ ही खलील पर यहूदी छात्रों को डराने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

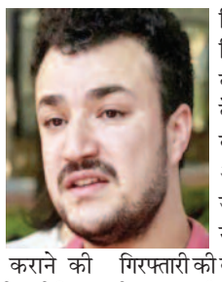

विदेश मंत्रालय ने कहा कि खलील के खिलाफ की गई कार्रवाई कानून के अनुसार थी। वहीं व्हाइट हाउस और आईसीई ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। खलील ने सुनाई अपनी गिरफ्तारी की कहानी जेल से रिहा होने के बाद खलील ने अपनी गिरफ्तारी को याद कर भावुक होते हुए बताया कि कैसे वे लुइसियाना की एक ठंडी जेल में बंद थे।

ईरान के हमले में कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस का संचार केंद्र तबाह

वॉशिंगटन । बीते महीने ईरान के हमले में कतर स्थित अमेरिका के एयरबेस पर जियोडेसिक गुंबद को नुकसान पहुंचा। इस जियोडेसिक गुंबद का इस्तेमाल अमेरिकी वायुसेना द्वारा सुरक्षित संचार के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। सैटेलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है। हालांकि अमेरिका या कतर की सरकार ने इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है। अमेरिका ने बीते महीने बंकर बस्टर बमों से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी वायुसेना के ठिकाने पर हमला किया था। हालांकि उसके बाद दोनों देशों में शांति समझौता हो गया था।

अमेरिकी एयरबेस को हुआ मामूली नुकसान ईरान ने 23 जून को कतर स्थित अल उदैद एयर बेस को निशाना बनाया था। ईरान के हमले में अमेरिकी एयरबेस को मामूली नुकसान हुआ। इसकी वजह ये रही कि अमेरिका ने हमले से पहले ही अपने लड़ाकू विमानों को सेना के सेंट्रल कमांड मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी बताया कि ईरान ने हमले से पहले ही संकेत दे दिए थे कि हमला कहां होने वाला है, जिससे अमेरिका को अपने बचाव में कदम उठाने का मौका मिला। प्लेनेट लैब्स की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला कि ईरानी हमले में अमेरिकी एयरबेस पर स्थित जियोडेसिक गुंबद को नुकसान पहुंचा है। जियोडेसिक गुंबद का इस्तेमाल अमेरिकी सेना सुरक्षित संचार के लिए इस्तेमाल करती थी।

कतर के अल उदैद एयर बेस पर अमेरिकी वायुसेना की 379वीं एयर एक्सपीडिशनरी विंग तैनात है। 25 जून को ली गईं सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि ईरानी हमले के बाद जियोडेसिक गुंबद तबाह हो गया है। हालांकि इसके अलावा और कोई नुकसान नहीं हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के हमले को बेहद कमजोर बताया था और कहा कि हमले में अमेरिका को कोई नुकसान नहीं हुआ।

बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को बनाया निशाना

पहचान पत्र देखकर नौ यात्रियों को मौत के घाट उतारा

झोब। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि झोब के सुर-दकाई इलाके में राजमार्ग पर क्वेटा से लाहौर जा रही दो बसों को बंदूकधारियों ने रोक लिया। इसके बाद उन्होंने बस में चढ़कर यात्रियों के पहचान पत्र देखे। इसमें जिन यात्रियों के पास पंजाब प्रांत के पहचान पत्र थे, उन नौ यात्रियों को बस से उतारा और गोली मार दी। उन्होंने कहा कि हमने नौ शवों को पोस्टमार्टम और दफनाने की प्रक्रिया के लिए अस्पताल भेज दिया है।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को निशाना बनाया। झोब के सुर-दकाई इलाके में उग्रवादियों ने लाहौर जा रही बस में सवार नौ यात्रियों की हत्या कर दी। बंदूकधारियों ने हाईवे पर बस को रुकवाया। इसके बाद यात्रियों के पहचान पत्र देखकर उनको बस से नीचे उतारा और फिर गोली मार दी

प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा बलों ने राजमार्ग पर यातायात स्थगित कर दिया तथा अपराधियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। यह पहली बार नहीं है कि उग्रवादियों ने पंजाब प्रांत के लोगों और बलूचिस्तान के विभिन्न राजमार्गों पर चलने वाली यात्री बसों को निशाना बनाया है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि पहचान के आधार पर निर्दोष लोगों की हत्या अक्षम्य अपराध है। उग्रवादियों ने साबित कर दिया है कि वे इंसान नहीं, बल्कि कायर जानवर हैं। बलूचिस्तान की धरती पर निदोर्षों का खून व्यर्थ नहीं जाएगा। राज्य इन हत्यारों को जमीन के नीचे भी छिपने नहीं देगा। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की निंदा की और कहा कि आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर सबसे बर्बरता दिखाई है। वहीं क्वेटा, लोरलाई और मस्तुंग में भी उग्रवादियों ने हमले किए, लेकिन सुरक्षा बलों ने इन हमलों को विफल कर दिया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने हमलों को रोक दिया। उन्होंने कहा कि इनमें से किसी में भी किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

शांति की कवायद के बीच रुबियो रूसी समकक्ष लावारोव से मिले, कहा- ट्रंप पुतिन से निराश व हताश

कुआला लंपुर । रुबियो ने इस बैठक को जरूरी बताया। साथ ही कहा कि उन्होंने इस संघर्ष को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निराशा और गुस्से को लावरोव के सामने दोहराया। उन्होंने बताया कि ट्रंप यूक्रेन युद्ध में शांति वार्ता की धीमी प्रगति से बेहद नाराज हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर दुनियाभर में चर्चा हो रही है। इसी बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को मलयेशिया में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात आसियान सम्मेलन के दौरान हुई, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और शांति प्रयासों को लेकर अहम बातचीत हुई

संघर्ष खत्म नहीं होने पर ट्रंप की नाराजगी

सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने कहा कि हम सभी संबंधित पक्षों से बातचीत करते रहेंगे, जैसे आज की बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष को लेकर मैंने राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से मैंने दो बातें साफ तौर पर कही, एक तो निराशा और दूसरा यह कि अब तक शांति वार्ता में कोई ठोस रास्ता नहीं निकला है। रुबियो ने बताया कि बैठक में कुछ विचार साझा किए गए जिन्हें वे अमेरिका जाकर राष्ट्रपति ट्रंप को बताएंगे। उन्होंने उम्मीद जताया कि शायद इन सुझावों से आगे कोई रास्ता निकाले।

साथ ही मामले में जब पत्रकारों ने पूछा कि इसपर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने क्या प्रतिक्रिया दी, तो रुबियो ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बात करना ठीक नहीं होता, लेकिन विचारों का आदान-प्रदान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन युद्ध के अलावा बैठक में कुछ और मुद्दों पर भी चर्चा हुई, लेकिन सबसे प्रमुख विषय यही था। इसके साथ ही ट्रंप की नाराजगी के कारणों पर जोर देते हुए रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्धों को पैसे और जिंदगियों की बबार्दी मानते हैं और वे इस युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि रूस की तरफ से इस साल जनवरी से अब तक करीब एक लाख सैनिकों की मौत हुई है, जबकि यूक्रेन की तरफ से भी काफी नुकसान हुआ है। रुबियो ने कहा कि हर बार जब कोई हमला होता है और लोग मरते हैं, ट्रंप को बहुत दुख होता है और ऐसे में उनका केलव एक ही उद्देश्य है कि इस युद्ध को समाप्त कर आम नागरिकों की मौतों को रोका जा सके।

बेनतीजा रही ट्रंप पुतिन की बातचीत

हालांकि इस बैठक से कुछ दिन पहले ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। लेकिन ट्रंप ने साफ कहा था कि इस बातचीत में यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों में कोई प्रगति नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमने ईरान और यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों पर बात की, लेकिन मैं इस बात से खुश नहीं हूं कि कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

रूस और यूक्रेन के बीच धुंधली होती शांति की उम्मीदें गौरतलब है कि रुबियो और लावरोव की यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब यूक्रेन पर रूस के हमले तेज हो गए हैं और शांति की उम्मीदें धुंधली दिख रही हैं। अमेरिका, खासकर ट्रंप प्रशासन, युद्ध खत्म करने के लिए लगातार बातचीत को तैयार है, लेकिन रूस की लचीलापन न दिखाने की नीति से अमेरिका निराश है। ऐसे में अब सबकी निगाहें आने वाले हफ्तों पर होंगी।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के हस्तक्षेप के बाद समाजवादी आवासीय योजना के आवंटियों को मिल सकेंगे बिजली कनेक्शन

कई साल से आवंटी थे परेशान, पीवीवीएनएल ने कनेक्शन देने के लिए ट्रांसफॉर्मर किया चार्ज

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा विकसित मधुबन बापू धाम योजना में समाजवादी आवास योजना के अंतर्गत बनाए गए भवनों के आवंटियों को अब बिजली के कनेक्शन मिलने शुरू हो सकेंगे। ढश्शठछ द्वारा कार्य के हस्तगत हेतु जी डी ए से सुपर-विजन चार्ज एवं टोटल एस्टीमेट पर जीएसटी का भुगतान किए जाने के लिए पत्र प्रेषित किये गए थे। ये मामला जब प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री अतुल वत्स के सामने लाया गया तो उनके द्वारा पावर कापोर्रेशन के प्रबंध निदेशक के साथ पत्राचार करते हुए हस्तक्षेप किया गया,292 फ्लैटो के अवंटियों द्वारा लगातार बिजली का कनेक्शन दिलाए जाने के लिए लगातार आग्रह किया जा रहा था। योजना के कुछ आवंटियों के द्वारा बिजली के कनेक्शन के प्रकरण को लेकर माननीय उच्च न्यायालय की भी शरण ली गई थीं। प्राधिकरण के द्वारा साल 2021 में ही भवनों में आंतरिक व बाह्य विद्युतीकरण का कार्य करा दिया गया था। प्राधिकरण उपाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद बिजली विभाग के द्वारा अब योजना में बिजली का ट्रांसफार्मर को चार्ज कर दिया गया है। इस तरह योजना के आवंटियों को अब आवेदन उपरांत बिजली के कनेक्शन उपलब्ध होंगे।

आषाढी पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) पर जैतवन बुद्ध विहार में हुआ वषार्वास अधिष्ठान का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। आषाढ़ पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) के अवसर पर जैतवन बुद्ध विहार गौतम नगर शिब्बन पुरा पटेल नगर गाजियाबाद में आषाढी पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) उत्सव एवं वषार्वास अधिष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूज्य भन्ते संरक्षित अध्यक्ष अखिल भारतीय भिक्खु संघ ने सुबह 8 बजे फूलों से बुद्ध प्रतिमा की सजावट, 9 बजे उपोसथ शील ग्रहन 9:30 बजे बुद्ध वंदना /ध्यान साधना, 10 बजे धम्मा देशना, 11 बजे भिक्खु संघ को भोजन दान, 11:30 बजे उपासक /उपासिकाओं को जो उपोसथ शील मे है भोजन दान और दोपहर 12 बजे भिक्षु संघ को संघ दान दिया गया। उसके पश्चात कार्यक्रम में शामिल हुए सभी उपासक उपासिकाओं को खीर वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूज्य भंते संरक्षित अध्यक्ष अखिल भारतीय भिक्खु संघ, भंते मोगलायन, भंते धम्मशील, भंते महानाम, भंते ज्योतिरतन, जैतवन बुद्ध विहार समिति के समस्त पदाधिकारी एवं उपासक एवं उपासिकाएं उपस्थित हुए।

कांवड़ यात्रा में ना हो किसी भी प्रकार की असुविधा

पुलिस प्रशासन ने जारी किये शिवभक्तों के लिये कंट्रोल के हैल्पलाइन नंबर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है और जिला प्रशासन से लेकर पुलिस प्रशासन लगातार कांवड़ यात्रा के सफल संचालन के लिये व्यवस्था बना रहा है, इंतजाम किये जा रहे हैं। शुक्रवार से सावन माह शुरू हो गया और शिवरात्रि का पर्व इस बार 23 और 24 जुलाई की रात्रि को मनाया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा में लाखों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ियें हरिद्वार तथा अन्य तीर्थ स्थलों से गंगा जल लेकर पैदल और अपने-अपने वाहनों से शिव मंदिरों की ओर प्रस्थान करेंगे और शिवालयों पर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषे करेंगे।

प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार टीम वर्क के साथ कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिये जुटे हुए हैं। किसी भी कावंड़ यात्री को कोई असुविधा ना हो इसके लिये अब चार स्थानों पर लगातार राउंड द क्लॉक कंट्रोल रूम चलेंगे। इन कंट्रोल रूम और प्रशासनिक शिविर की स्थापना कर दी गई है। किसी भी शिवभक्त को कोई परेशानी ना हो इसके लिये कंट्रोल रूम पर हैल्पलाइन नंबर स्थापित किये गये हैं। इनमें प्रशासनिक शिविर कंट्रोल रूम का विवरण दिया गया है। यहां कंट्रोल रूम प्रभारी का नाम और नंबर दिये गये हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा के लिये इन सभी हैल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। ये हैल्पलाइन नंबर कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे काम करेंगे।

कांवड़ यात्रा 24x7 कंट्रोल रूम

प्रशासनिक शिविर/ कन्ट्रोल रूम का विवरण	कन्ट्रोल रूम प्रभारी का नाम आदि का विवरण	हेल्पलाईन नम्बर
मुख्यालय स्थित कन्ट्रोल रूम	पी०डी०–डी०आर०डी०ए०, गा०बाद। (9415073740)	0120–2986150, 0120–2989032, 0120–2829040, 7017579445, 9085959906
मेरठ रोड तिराहा कन्ट्रोल रूम	उपायुक्त, जिला उद्योग केन्द्र, गाजियाबाद। (7017781545)	0120–2989194
गंग नहर कन्ट्रोल रूम	मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गाजियाबाद। (9412313943)	01232–298230
टीला मोड कन्ट्रोल रूम	जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद। (8287836894)	0120–2989509
राजचौपला मोदीनगर कन्ट्रोल रूम	उप श्रमायुक्त, गाजियाबाद। (9634837550)	01232–298220
दुधेश्वरनाथ मंदिर कन्ट्रोल रूम	अपर उपजिलाधिकारी, गाजियाबाद। (9696014372)	0120–2989195

ये हैं कांवड़ यात्रा हैल्पलाइन कंट्रोल रूम नंबर

करंट क्राइम। कांवड़ यात्रा के लिए जो कंट्रोल रूम नंबर जारी किये गये हैं उनमें मुख्यालय स्थित कन्ट्रोल रूम– पी०डी० डी०आर०डी०ए०, गा०बाद। (9415073740)– 0120-2986150, 0120-2989032, 0120-2829040, 7017579445, 9085959906 2. मेरठ रोड तिराहा कन्ट्रोल रूम – उपायुक्त, जिला उद्योग केन्द्र, गाजियाबाद। (7017781545), 0120-2989194 3. गंग नहर कन्ट्रोल रूम– मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, गाजियाबाद। (9412313943)– 01232-298230 4. टीला मोड कन्ट्रोल रूम – जिला समाज कल्याण अधिकारी, गाजियाबाद। (8287836894), 0120-2989509 5. राजचौपला मोदीनगर कन्ट्रोल रूम– उप श्रमायुक्त, गाजियाबाद। (9634837550)– 01232-298220 6. दुधेश्वरनाथ मंदिर कन्ट्रोल रूम – अपर उपजिलाधिकारी, गाजियाबाद। (9696014372)–0120-2989195 कांवड यात्रा में होने वाली किसी भी असुविधा के लिए उक्त हेल्पलाईन नम्बरों पर सम्पर्क किया जा सकता है।

- अब चार स्थानों पर लगातार राउंड द क्लॉक कंट्रोल रूम चलेंगे। इन कंट्रोल रूम और प्रशासनिक शिविर की स्थापना कर दी गई है।
- कंट्रोल रूम प्रभारी का नाम और नंबर दिये गये हैं।
- ये हैल्पलाइन नंबर कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे काम करेंगे।

भाजपा की चुनावी तैयारी तेज, बूथ से मतदाता तक पहुँचेगी रणनीति: मयंक गोयल

गाजियाबाद करंट क्राइम। आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की अध्यक्षता में नेहरू नगर कार्यालय पर चुनाव प्रबंधन बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। इसमें प्रमुख सुभाष शर्मा सहित सह प्रमुखों एवं 20 मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया।

बैठक के उपरांत मयंक गोयल ने बताया कि भाजपा मजबूत बूथ : मजबूत जीत के मंत्र के साथ पन्ना प्रमुख, बूथ समिति, और विस्तारकों की सक्रियता से बूथ संरचना को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल रणनीति, डेटा विश्लेषण, और सोशल मीडिया अभियान के जरिये हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित की जाएगी। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को जोड़ने, जन संवाद यात्रा और मोदी के मन की बात को जन-जन तक पहुँचाना प्राथमिकता है। भाजपा का फोकस प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं, शक्ति केंद्रों, और डिजिटल वॉर रूम के जरिये संगठनात्मक शक्ति को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर है। गोयल ने कहा कि विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति का तथ्यात्मक विश्लेषण कर भाजपा हर मोर्चे पर तैयार है। साथ ही राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, मथुरा जैसे सांस्कृतिक विषय जनता से जुड़ाव के मजबूत माध्यम हैं।

उन्होंने मंडल अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे बूथ स्तर तक समर्पित होकर कार्य करें, ताकि भाजपा पुनः भारी जनसमर्थन के साथ विजयश्री प्राप्त कर सके। सभी मंडल अध्यक्षों को शक्तिकेन्द्र एवं बूथों पर वितरित करने हेतु पत्रक भी दिए गए।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने की जनसुनवाई

गाजियाबाद करंट क्राइम। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जनसुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी क्रमवार सभी लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। उन्होने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि हर शिकायत व आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। जन सुनवाई के दौरान एडीएम एल/ए विवेक मिश्र भी उपस्थित रहे।

वार्ड विवाद के मामले का हुआ पटाक्षेप

भाजपा उम्मीदवार की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता और तत्कालीन निगम चुनाव में भाजपा उम्मीदवार सिद्धी प्रधान की याचिका खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले के साथ ही वार्ड-87 में चल रहे चुनावी विवाद का अंत हो गया। गौरतलब है कि नगर निगम चुनाव में भाजपा ने सिद्धी प्रधान अग्रवाल को वार्ड-87 से उम्मीदवार बनाया था। इसी वार्ड से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अनुज त्यागी चुनाव लड़े थे।

अनुज त्यागी इस चुनाव में निर्वाचित घोषित किये गये थे और चुनाव का फैसला आने के बाद सिद्धी प्रधान अग्रवाल ने चुनाव नतीजे की वैधता को चुनौती देते हुए पहले हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने चुनाव की वैधता पर सवाल उठाया था। हाईकोर्ट ने इस मामले में सिद्धी प्रधान अग्रवाल की याचिका खारिज कर दी थी और उसके बाद सिद्धी प्रधान अग्रवाल ने इस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई सुनवाई के बाद इस मामले में सिद्धी प्रधान अग्रवाल की याचिका को खारिज कर दिया।

अदालत ने याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है और अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आर्टिकल 136 भारतीय संविधान के तहत यह फैसला है और इसके साथ ही अदालत ने यह स्पेशल लीव पिटिशन रद्द कर दी। यह स्पेशल याचिका 15 अप्रैल को हाईकोर्ट द्वारा दिये गये फैसले के खिलाफ की गई थी। यह मामला सिद्धी प्रधान अग्रवाल बनाम जिला निर्वाचन अधिकारी नगर निगम सामान्य चुनाव 2023 के बीच था।

11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये याचिका के अधिवक्ताओं को बुलाया था। इसमें अदालत ने सुनवाई करते हुए याचिका को रद्द किया और कहा कि सुनवाई का कोई आधार ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद वार्ड-87 के इस चुनावी विवाद का अंत हो गया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बंदरों के मुद्दे पर विफल रहने पर सार्वजनिक अधिकारियों को लगाई फटकार

गाजियाबाद करंट क्राइम। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार के अधिकारियों और राज्य पक्षों को फटकार लगाई क्योंकि वे उत्तर प्रदेश में बढ़ती बंदरों की आबादी और बढ़ते मानव-बंदर संघर्ष की घटनाओं के गंभीर मुद्दे पर अपने जवाब प्रस्तुत करने में विफल रहे। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की पीठ ने 06.05.2025 को एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, यूपी सरकार, यूपी राज्य पशु कल्याण बोर्ड, डीएम गाजियाबाद, गाजियाबाद नगर निगम, लोनी, मोदीनगर, मुरादनगर, खोड़ा मकानपुर की नगर पालिका परिषद, सोसाइटी फॉर प्रीवेंशन ऑफ क्रूरिटी टू एनिमल्स और जीडीए को नोटिस जारी किए थे।

कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार और उसके अधीनस्थों को 10.07.2025 तक यह बताने का निर्देश दिया था कि बंदरों के आतंक से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इस संबंध में क्या कार्य योजना प्रस्तावित है। भाजपा नेता और समाजसेवक विनीत शर्मा और प्राजक्ता सिंघल (एक बी.टेक छात्रा) द्वारा दायर याचिका में लोगों को होने वाली परेशानियों और बंदरों के भोजन की कमी के कारण उनके भूख और कुपोषण के मुद्दों को उठाया गया है। याचिका में बंदरों के मुद्दे से निपटने के लिए एक आपातकालीन कार्य योजना तैयार करने, पर्याप्त अस्पताल, पशु चिकित्सा केंद्र, पर्याप्त परिवहन/बचाव वाहन, वन क्षेत्रों में पुनर्वास, भोजन की पर्याप्त व्यवस्था और 247 शिकायत हेल्पलाइन पोर्टल स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

प्रदेश में बढ़ती बंदरों की आबादी और बढ़ते मानव-बंदर संघर्ष की घटनाओं के गंभीर मुद्दे पर नहीं प्रस्तुत कर पाये जवाब

एडवोकेट आकाश वशिष्ठ ने कोर्ट को बताया कि लगभग हर चौथाई जनता प्रभावित है और यह मुद्दा गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने तर्क दिया कि एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया का यह कर्तव्य है कि वह कार्य योजना तैयार करे ताकि बंदरों को भूख से राहत मिल सके और मानव-बंदर संघर्ष को रोका जा सके। इस मामले में अगली सुनवाई 22.08.2025 को होगी निश्चित हुई है।

पग-पग अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे शिवभक्त कांवड़िये

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कांवड़ियों की हरिद्वार से वापसी होने से सावन माह के आने का अहसास होने लगा है। शिव भक्त कांवड़िये पग-पग अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं, अभी कांवड़ियों की संख्या ना के बराबर है, लेकिन इस सप्ताह संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

कांवड़ यात्रा के क्रम में सोमवार को कई कांवड़िये गाजियाबाद क्षेत्र से होकर गुजरे तो वातावरण शिवमय हो गया। दादरी मोहित युवा कांवड़ियों का एक जत्था 125 लीटर गंगाजल भरी भव्य कांवड़ को लेकर नगर से होकर गुजरा तो श्रद्धालुओं ने जत्थे का स्वागत किया। इस जत्थे में शामिल कांवड़ियों ने बताया कि वह 20 जून को हरिद्वार से कांवड़ लेकर चले थे, 14 जुलाई को सावन के पहले सोमवार को शिव का जलाभिषेक करेंगे। उनकी कांवड़ में 25 लीटर गंगाजल है। इस दौरान हर-हर महादेव के जयकारों संग जत्था अपनी मंजिल की ओर रवाना हुआ।

वहीं कांवड़ियों की वापसी से सावन माह के आने का अहसास होने लगा है। वही हरिद्वार से भगवान शिव की प्रतिमा के साथ अपने निवास पलवल की ओर गाजियाबाद से होकर आगे बढ़ रहे है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि गजब की दिखाई दी उस दिन हमें किसी की पहलवानी? जब उन्होंने कहा – अभी इतने उड़ों मत, बदल सकती है कभी भी कहानी? हम तो कर रहे हैं प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा का इंतजार? उसके बाद पता चलेगा कौन टीम में रहेगा और कौन होगा बाहर? कहने वाले ने कहा– जो शख्स कर रहे थे पूरी पहलवानी से बात? अगर वर्मा जी को मिल गई जिम्मेदारी, तो फिर इस चेहरे को कोई भी टीम से नहीं कर पाएगा बाहर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उन्होंने यूं ही नहीं बनाई पूरा धीरज रखकर योद्धा के खेमे से दूरी? इस दूरी के पीछे है मेरठ में राजनीति करने की मजबूरी? सुना है, किसी ने मारा था कहीं पर ताना? कहा था, वो मेरठ में ही तलाश लें अपनी राजनीति का तराना? सुना है, लगने वाले के दिल में लगी है ये बात? आखिर क्यों बना रहे हैं बनाने वाले इस तरह दिल दुखाने वाले हालात?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने एक चीज पर दिया है बारीकी से ध्यान? कुछ जनप्रतिनिधि अपनी बिरादरी वालों को देते हैं प्रतिनिधि या अन्य वाले मामले में तवज्जो? वहीं कुछ प्रतिनिधि अन्य बिरादरियों का भी रखते हैं ख्याल? सांसद जी अपनी ही बिरादरी के चेहरों को देकर चल रहे हैं जिम्मेदारी खास? कुछ ऐसा ही पूर्व वाले अग्रवाल गोयल को अपने साथ रखकर कराते हैं बिरादरीवाद वाला एहसास? कुछ इस तरह ही हैवीवेट वाले ही हरी का नाम लेने वाले अपने प्रिय शर्मा को दे चुके हैं प्रभार? बस यहां पर भगवा कमांडर और एमएलसी गोयल ही ऐसे चेहरे हैं, जिनके कामों को संभाल रहे हैं दूसरी बिरादरी के चेहरे? इन्होंने जताया है बिरादरी से बाहर जाकर ऐसे चेहरों पर ऐतबार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बता रहे हैं अंदर की बात? पूरी सुशीलता से माइंड लगाकर गौतम जी ने 20 के 20 मंडलों में अपने चेहरे फिट कर दिये हैं साहब? हम यहां पर आपको दे रहे हैं मिस्टर भट्ट को लेकर जानकारी? पूरे प्रताप से इस चेहरे को प्रमुख पद पर लाने में मिस्टर गौतम ने निभाई है जिम्मेदारी? भगवा योद्धा भले ही समझे ये घोषणा है द यूनियन वालों का कोटा? मगर, यहां पर कमांडर के एंगल से पूरी सुशीलता से मारने वाले ने मारा है चौका?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बैठे थे नदिया पार के पूर्व पार्षद के पास? वो संगठन के एक ताकतवर चेहरे को लेकर प्रकट कर रहे थे अपने जज्बात? कह रहे थे जब नहीं थी उनके पास मजबूत वाली जिम्मेदारी, तब वो सुबह–शाम हमसे विभिन्न मुद्दों पर करते थे राय शुमारी? दिल्ली में हम लेकर जाया करते थे बड़े नेताओं के यहां पर उनको अपने साथ? मगर, पावर में आते ही बदल गए हमको लेकर उनके एहसास? हम देख रहे हैं आजकल वो हमसे करते ही नहीं हैं बात? वो इस तरह बदल जाएंगे, ऐसा तो हमने गलती से देखा भी नहीं था ख्वाब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा गढ़ का एक भगवा कमिश्नर इस वक्त निभा रहा है धर्मेंद्र जी यानी वीरू भैया वाला किरदार? उसने मोर्चा इतना बड़ा खोला है कि हैरान है सारे भगवादार? योद्धा के कई बार कहने के बावजूद भी इन्होंने नहीं की है फाइनल मंडल वाली लिस्ट? ये सौ प्रतिशत अपने ही चेहरों की घोषणा चाहते हैं, नहीं करना चाहते हैं किसी का भी मामला रीमिक्स? हमें पता चला है, इनकी कमेटी को लेकर गहराया हुआ जबर्दस्त विवाद? कहने वाले ने कहा– इन्होंने ले लिया है बड़ा रिस्क और डाल दिया है छत्ते में हाथ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उन्होंने ना जाने क्यों नाता तोड़ दिया है? हम देख रहे हैं धीरे–धीरे चारों महान मंत्रियों ने पार्टी कार्यालय पर आना छोड़ दिया है? जिन महान मंत्री के पास थी पार्टी के कार्यालय प्रभारी वाली जिम्मेदारी? इनके दर्शन भी हो गये हैं अब भारी? कहने वाले ने कहा– आप महान मंत्रियों की बात ही क्यों कर रहे हो? यहां तो पूर्व वाले कई चेहरे हो गए हैं साफ? सूना रहता है तब तक पार्टी कार्यालय, जब तक योद्धा एंट्री नहीं लेते हैं साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उपाध्यक्ष बनने की तमन्ना रखने वाले मेंबर त्यागी जी को अपने भगवा कमिश्नर से लगा है शॉक? सुना है, उनके भगवा कमिश्नर ने नहीं पूरी की है उनकी होप? कहने वाले ने कहा– भगवा कमिश्नर को पद दिलवाने में एक समय मिस्टर त्यागी ने निभाया था अपना किरदार? मगर, उन्हें नहीं थी इस बात की जानकारी, जब आएगा मौका तो ठाकुर साहब नहीं करेंगे उनकी भावनाओं पर विचार? सुना है त्यागी के बताए हुए चेहरों को नहीं दिया है ठाकुर साहब ने अपनी टीम में स्थान? पता चला है, इसी बात पर मचा हुआ है घमासान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम देख रहे हैं इन दिनों एमएलसी दिनेश गोयल कर रहे हैं वर्किंग बहुत ही ज्यादा हार्ड? अभी तक उन्होंने 50 जिलों में कार्यक्रम करके रच दिया है इतिहास? जनता की विद्युत समस्याओं का बड़े स्तर पर किया है उनका समाधान? अपनी इस सेवा से उन्होंने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड तैयार कर लिया है? मजबूत कर लिया है अपनी दावेदारी का प्लान? जब खड़े होंगे चुनाव को लेकर कई दावेदार, तब मिस्टर गोयल की मेहनत वाली लिस्ट आ जाएगी बाहर? जो कर देगी दावेदार के सपनों को तार–तार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उनका गुस्सा होना है लाजमी, आपको शायद मालूम नहीं है, वो परफेक्शन को पसंद करेन वाले हैं आदमी? कई बार उनके परफेक्शन वाले फ्रेम में नहीं उतरते हैं कई चेहरे खरे? बस यहीं से बिगड़ जाते हैं थोड़ी देर के लिये हालात? अगर,वो इसत रह परफेक्शनिस्ट नहीं होते तो कहां से इतने सारे कामयाब कार्यक्रम आयोजित होते जनाब?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।